जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 48 प्रभात अजमेर, सोमवार 16 सितम्बर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अरविन्द केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने की घोषणा की

सुप्रीम कोर्ट से जमानत के बाद दिल्ली में बड़ी सभा में केजरीवाल ने कहा कि मैं दो दिन बाद मुख्यमंत्री पद छोड़ दूँगा

- राजनीतिक क्षेत्रों में यह चर्चा है कि केजरीवाल ने इस कदम से मास्टर स्ट्रोक खेला है या फिर बड़ा जोखिम मोल ले लिया।
- उन्होंने गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि अगर उन्हें झूठे केस में गिरफ्तार किया जाता है तो वे इस्तीफा नहीं दें, बल्कि जेल से सरकार चलाये।

नई दिल्ली, 15 सितंबर। रविवार को अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि वे अगले दो दिनों के भीतर दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली की रद्द हो चुकी शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में जमानत दिए जाने के दो दिन बाद केजरीवाल ने यह घोषणा की। छह महीने बाद जेल से रिहा होने के बाद दिल्ली के मु.मंत्री ने पहली बड़ी सभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की।

राजनीतिक हल्कों में पूछा जा रहा कि केजरीवाल की यह घोषणा क्या दिल्ली के विधानसभा चुनाव में जाने से पहले राजधानी की जनता की सहानुभूति बटोरने की रणनीति है? क्या उनका यह कदम उन्हें खुद को जनता के सामने बेदाग साबित करने में कारगर होगा? यह प्रश्न भी पूछा जा रहा है कि केजरीवाल ने यह कदम उठाकर राजनीति का मास्टरस्ट्रोक लगाया है, या एक बहुत बड़ा जोखिम मोल ले लिया है?

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि, उन्हें कानून की अदालत में न्याय मिला है, लेकिन अब वे जनता की अदालत में न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा, "दो दिन बाद मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा। जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती, मैं उस कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। दिल्ली में चुनाव होने में अभी कई महीने बाकी हैं। मुझे कानूनी अदालत से न्याय मिला, अब मुझे जनता की अदालत से न्याय मिलेगा। मैं जनता के आदेश के बाद ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा।" उन्होंने कहा, "मैं दिल्ली की जनता से पूछना चाहता हूं कि केजरीवाल निर्दोष है या दोषी? अगर मैंने काम किया है, तो मुझे वोट दें।"

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों से अपील की कि अगर उन पर केस दर्ज किए जाते हैं तो वे जेल से इस्तीफा न दें। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि, "वे गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों के खिलाफ झूठे केस दर्ज करते हैं। अगर उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, तो मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे इस्तीफा न दें बल्कि जेल से सरकार चलाएं।"

केजरीवाल ने कहा कि, उन्होंने पहले इस्तीफा नहीं दिया क्योंकि वे लोकतंत्र के लिए लड़ना चाहते थे। उन्होंने कहा, "मैंने (गिरफ्तारी के बाद) इस्तीफा नहीं दिया क्योंकि मैं लोकतंत्र का सम्मान करता हूं और मेरे लिए संविधान सर्वोच्च है।"

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के लिए अगला मुख्यमंत्री चुनने के लिए अगले दो दिनों के भीतर दिल्ली में आम आदमी पार्टी के 60 विधायकों की बैठक होगी। इसके बाद वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।

उन्होंने कहा, "फरवरी में दिल्ली में चुनाव होने हैं। मैं मांग करता हूं कि नवंबर में महाराष्ट्र चुनाव के साथ ही चुनाव कराए जाएं। चुनाव होने तक पार्टी से कोई और मुख्यमंत्री होगा। अगले 2-3 दिनों में विधायकों की बैठक होगी, जिसमें अगले मुख्यमंत्री पर फैसला किया जाएगा।"

इस बात से संकेत मिलता है कि आम आदमी पार्टी ने राजधानी में चुनाव से पहले लोगों से जुड़ने के लिए बड़े पैमाने पर संपर्क अभियान की योजना बनाई है। केजरीवाल के अलावा, उनके पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, जो कि शराब नीति केस में जमानत पर हैं, इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कहा जा रहा है कि केजरीवाल का यह आश्चर्यजनक कदम उल्टा भी पड़ सकता है। उन्होंने साफ संकेत दिया है और मनीष सिसोदिया ने भी कहा है कि वे तभी पद पर लौटेंगे जब जनता उनके पक्ष में फैसला सुनाएगी। इसका मतलब है कि आप के दो शीर्ष नेता मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं और पार्टी को चुनाव तक अपने अन्य प्रमुख चेहरों में से किसी एक को मुख्यमंत्री पद के लिए चुनना होगा। कुछ महीनों के लिए मुख्यमंत्री चुनने से अक्सर सत्ता को लेकर संघर्ष होने लगता है और बड़े पैमाने पर नेताओं के बाहर निकलने के हालात भी बन जाते हैं। जैसा कि बिहार और झारखंड में हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर में पांच दिन और बंद रहेगा इन्टरनैट

इंफाल, 15 सितंबर। मणिपुर सरकार ने रविवार को राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध को पांच दिन और बढ़ाकर 20 सितंबर तक कर दिया। राज्य में इंटरनेट प्रतिबंध 10 सितंबर से लागू है। हालांकि ब्रॉडबैंड सेवाएं उन लोगों को प्रदान की गई है जिन्होंने इस बात का वचन दिया था कि वे वाईफाई का उपयोग नहीं करेंगे। आज सुबह पांच बजे से दोपहर 12 बजे तक घाटी के पांच जिलों में कर्फ्यू में ढील दी गई। ग्यारह पहाड़ी जिलों में कर्फ्यू नहीं है।

कथित कुकी उग्रवादियों ने ड्रोन, मिसाइलों और अन्य अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग करके नए हमले किए। इन हमलों को रोकने में सरकार की विफलता के विरोध में छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया है।

बजरी से भरे हुए डंपर ने कार को कुचला, 6 की मौत

बूंदी, 15 सितम्बर (निसं)। बूंदी जिले में रविवार सुबह हिंडोली में नेशनल हाईवे 52 पर बजरी से भरे हुए

- मध्य प्रदेश के निवासी खाटूश्याम जी दर्शन के लिए जा रहे थे, जब हिंडौली के पास यह हादसा हुआ।

डंपर ने एक कार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन में काम कर रही अमेरिकी कम्पनियाँ भारी निराशा के माहौल में हैं

अमेरिका में आधे से ज्यादा बिज़नैस कम्पनियों को विश्वास है कि गत वर्ष की तुलना में बिज़नैस बढ़ेगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। चीन में संचालित हो रही अमेरिकी कंपनियाँ अत्यधिक लो प्रॉफिट का सामना कर रही हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव और कमज़ोर होती चीन की इकॉनमी के कारण बिज़नैस कॉन्फिडैंस का स्तर बहुत नीचा है।

शंघाई में अमेरिकन चेंबर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जिन 306 कंपनियों का सर्वे किया गया उनमें से केवल 66 प्रतिशत कंपनियों ने 2023 में प्रॉफिट दर्शाया। यह, न्यूनतम प्रॉफिट का एतिहासिक रिकॉर्ड है। साथ ही, सर्वे में केवल 47 प्रतिशत कंपनियाँ अगले 5 वर्षों में चीन में बिज़नैस की अपनी संभावनाओं को लेकर आशावादी है, चीन पिछले दो दशकों में आशावाद का यह न्यूनतम स्तर है।

ट्रेड मैन्युफैक्चरिंग को लेकर बीजिंग और वॉशिंगटन के बीच चल रहे विवाद तथा साउथ चाइना सी में चीन के क्षेत्रीय दावों ने वर्तमान वातावरण पैदा किया है। इसके अलावा, चीन की इकॉनमी कमज़ोर उपभोक्ता मांग तथा लगातार बने हुए महंगाई के दबाव से जूझ रही है।

- चीन में काम कर रही अमेरिकी कम्पनियों में केवल 37 प्रतिशत को आशा है कि उनका बिज़नेस बढ़ेगा।
- इस निराशा के वातावरण के कारण 25 प्रतिशत अमेरिकी कम्पनियों ने, चीन में अपना "इन्वैस्टमैंट" घटा दिया है।
- ये आंकड़े शंघाई स्थित अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स तथा चीन के यूरोपियन यूनियन के चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने अपनी-अपनी रिपोर्ट में दिए हैं।
- दो कारण हैं, चीन की इकॉनमी के स्लोडाउन के, एक तरफ तो है चीन व अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव तथा दूसरा कारण है, चीन में कंज़्यूमर गुड्स की मांग उठ नहीं रही, बल्कि लगातार कम हो रही है।
- तनाव के कारण, अमेरिकी बिज़नैस चीन में काम करने को जोखिम भरा मामला मानने लगीं तथा डिमाण्ड में कमी होने से वे यह जोखिम उठाना, चीन में घटती मांग के कारण तुलना में नुकसान का सौदा मानने लगी हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच तनाव, चीन में कारोबार के लिए प्रमुख चुनौती है। शंघाई में अमेरिकन चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रेसिडैंट एरिक झांग ने कहा कि जहाँ चीन में बिज़नैस करने के खतरे बढ़ गए हैं। वहीं, कम होती मांग तथा अत्यधिक उत्पादन क्षमता के कारण मार्केट की गति धीमी पड़ रही है। परिणामस्वरूप कई कंपनियाँ अपने निवेश-वियतनाम, मलेशिया साउथ एशिया के अन्य क्षेत्रों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रयागराज में गंगा-जमुना खतरे के निशान के पास

प्रयागराज,15 सितंबर। पहाड़ों और उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश और केन, बेतवा तथा चंबल नदियों का पानी यहां पहुंचने से तीर्थराज प्रयाग में गंगा और यमुना का जलस्तर धीरे-धीरे खतरे के निशान की ओर बढ़ चला है।

- गत 24 घंटे में विभिन्न स्थानों पर नदियों का जल स्तर 86 सैंटीमीटर से 2.58 मीटर बढ़ा।
- पहाड़ों व उत्तराखंड में लगातार बारिश से तथा केन, बेतवा तथा चंबल नदियों का पानी पहुंचने से स्थिति गंभीर हुई।

दोनों नदियां खतरे के निशान से करीब एक मीटर दूरी पर बह रही हैं।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष के आंकडों के अनुसार पिछले 24 घंटों में दोनों नदियों का जलस्तर फाफामऊ में, गंगा 2.58 मीटर, छतनाग में 1.36 मीटर और नैनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समाज के विभिन्न वर्गों ने भारी वर्षा के बीच कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया

कोलकाता दुष्कर्म-हत्याकांड में सी.बी.आई. ने आरोपी पूर्व प्राचार्य घोष तथा थाना प्रभारी को सियालदह अदालत में पेश किया

- पूर्व रक्षा अधिकारियों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, अस्पतालों के नर्सिंग स्टाफ ने अलग-अलग रैलियाँ निकालीं।
- सी.बी.आई. ने अदालत में कहा कि दोनों आरोपी घटना के दिन लगातार फोन पर सम्पर्क में थे तथा उन पर सबूतों में छेड़छाड़ व एफ.आई.आर. दर्ज कराने में देरी करने का आरोप है।

कोलकाता, 15 सितंबर। पूर्व रक्षा अधिकारियों, विद्यार्थियों, सेवानिवृत्त शिक्षकों और अस्पतालों के नर्सिंग स्टाफ सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने रविवार को यहां भारी बारिश के बीच प्रदर्शन किया और आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रशिक्षु डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की जिनकी नौ अगस्त को बलात्कार के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी।

पुरुलिया सैनिक स्कूलों के पूर्व विद्यार्थियों (जो सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना में शीर्ष पदों से सेवानिवृत्त हुए,) ने दक्षिण कोलकाता के जादवपुर से गोल पार्क तक एक रैली निकाली। सेवानिवृत्त रक्षा अधिकारियों में से एक आशीष बनर्जी ने कहा कि वे उच्चतम न्यायालय की सुनवाई के नतीजे को लेकर आशान्वित हैं, लेकिन देश में कानूनी प्रक्रिया में समय लगता है।

कलकत्ता बालिका उच्च विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और विद्यार्थियों ने बारिश की परवाह किए बिना मध्य कोलकाता के वेलिंगटन स्क्वायर में अपने स्कूल से उत्तर कोलकाता के श्यामबाजार तक एक विशाल रैली निकाली। पूर्व शिक्षकों में से एक ने कहा कि वे आर जी कर अस्पताल की घटना के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं और साथ ही सरकार को यह भी अपील करना चाहते हैं कि वह अपनी अगली पीढ़ि यों के लिए एक सुरक्षित राज्य सुनिश्चित करें।

विभिन्न अस्पतालों के नर्सिंग कर्मचारी पूर्वी कोलकाता के करुणामयी में एकत्र हुए और सेंट्रल पार्क में डॉक्टरों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत राज में डी.ओ.आई.टी. में 3500 करोड़ के घोटाले हुए- डॉ. किरोड़ी

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने गृह राज्य मंत्री बेढम से घोटालों की जाँच के लिये एफ.आई.आर. दर्ज कराने की मांग की

- सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के 3500 करोड़ रूपए के घोटाले की शिकायत गहलोत राज में की गई थी, पर, गहलोत सरकार ने ए.सी.बी. की जाँक की इजाज़त नहीं दी थी- डॉ. किरोड़ी
- मंत्री जवाहर सिंह ने बैठक में कहा कि उन्होंने डी.जी.पी. को मामले की जाँच कर कार्यवाही करने को कहा है।

जयपुर, 15 सितम्बर (का.सं.)। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम को सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग (डीओआईटी) में हुए कथित 3500 हजार करोड़ के घोटालों की शिकायत की है। किरोड़ी मीणा ने रविवार को बेढम के आवास पर पहुँचकर बताया कि गहलोत राज में डिपार्टमैंट ऑफ इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी (डी.ओ.आई. टी.) में करीब 3500 करोड़ के घोटाले की शिकायत एसीबी में की गई थी, लेकिन गहलोत सरकार ने एसीबी को जांच की इजाज़त नहीं दी।

किरोड़ी ने कहा कि कबाड़ा गहलोत सरकार में हुआ है, लेकिन अब हमारा मौका है। हमारी सरकार है, ऐसे में गृह राज्य मंत्री बेढम से मिलकर इन घोटालों की जांच के लिए एफ.आई.आर. दर्ज करने की मांग करने आया हूं।

इस मुलाकात के बाद मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि सरकार में सीनियर मंत्री किरोड़ीलाल मीणा कांग्रेस राज में हुए घोटाले की जांच करवाने की मांग लेकर आए थे। मैंने डी.जी.पी. को फोन कर कहा है कि इस मामले की जांच कर कार्रवाई करें।

मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा दो महीने पहले पेपर लीक के सबूत लेकर एस.ओ.जी. ऑफिस पहुंचे थे। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने एस.ओ.जी. के अधिकारियों और आर.पी.एस.सी. चेयरमैन पर बड़े आरोप लगाए थे। उन्होंने एस.ओ.जी. के ए.डी.जी. वी.के. सिंह को तीन भर्ती एग्जाम, आर.ए.एस., रिट और एस.आई. में हुए पेपर लीक के सबूत सौंपे थे। किरोड़ीलाल मीणा ने अपनी शिकायत में डी.ओ.आई.टी. के कई अधिकारियों पर आरोप लगाए। इसमें प्रोजेक्ट अधिकारी दीपशिखा सक्सेना, कुलदीप यादव, वित्त अधिकारी कौशल गुप्ता पर अलग-अलग फर्मों को गलत दस्तावेजों पर करोड़ों रुपए के वर्क ऑर्डर जारी करने का आरोप लगाया।

इसके अलावा उन्होंने अधिकारी आशुतोष देशपांडे और पूर्व अतिरिक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

जीवन की गुणवत्ता : किनके जीवन की गुणवत्ता?

हाल में एचएसबीसी क्वालिटी ऑफ लाइफ़ रिपोर्ट 2024आई है। एचएसबीसी एक ब्रिटिश बहु राष्ट्रीय समूह है और इस समूह के इसी नाम के बैंक से हममें से बहुत सारे लोग परिचित होंगे। इस समूह ने पिछले बरस से ही इस तरह की रिपोर्ट जारी करना शुरु किया है। बैंक ने बहुत साफ़ शब्दों में कहा है कि यह रिपोर्ट समाज के संपन्न वर्ग से प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार की जाती है। इस बार की रिपोर्ट हाँग कॉंग, इण्डोनेशिया, मुख्यभूमि (मेनलैण्ड) चीन, मलेशिया, मेक्सिको, सिंगापुर, ताइवान, संयुक्त अरब अमीरात, युनाइटेड किंगडम और संयुक्त राष्ट्र अमरीका के कुल 11,230 उत्तरदाताओं के उत्तरों पर आधारित है। इनमें से भारत के उत्तरदाता केवल 1456 हैं।

यह सवाल किया जा सकता है कि एक बहुत ही छोटे समूह से प्राप्त उत्तरों के आधार पर जाने गए संपन्न वर्ग के सरोकारों पर बात करना कितना युक्ति संगत है ! मेरे पास इस सवाल का जवाब है। और जवाब यह है कि हर व्यक्ति अपने से ऊपर देखता है और समाज सदा ही प्रभु वर्ग का अनुकरण करता है। इसलिए अगर हम उस समूह के सरोकारों को जान लें तो कोई हर्ज़ नहीं है। अंतिम निर्णय तो हम ही करेंगे।

इस रिपोर्ट में मुझे पहली रोचक बात यह लगी कि जब इन समृद्ध लोगों से पूछा गया कि वे अपने जीवन में स्वास्थ्य के विभिन्न पक्षों में से किसको कितना महत्व देते हैं, तो उनमें से सर्वाधिक 26 प्रतिशत लोगों ने शारीरिक स्वास्थ्य के पक्ष में अपना मत दिया। इनसे थोड़ा कम, 17 प्रतिशत ने मानसिक, 13 प्रतिशत ने भावनात्मक और 11 प्रतिशत ने आध्यात्मिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण माना। बहुत रोचक बात यह कि संपन्न लोगों में वित्तीय स्वास्थ्य की चिंता काफी कम पाई गई। केवल 17 प्रतिशत के लिए यह चिंता का विषय पाया गया। वैसे इस बात पर आश्चर्य होना भी नहीं चाहिए। जो संपन्न हैं उन्हें आर्थिक चिंता क्यों सताने लगी? भौतिक सफलता को 9 प्रतिशत ने और सामुदायिक संलग्नता को केवल 7 प्रतिशत ने महत्वपूर्ण बताया। यह बात फिर से दिलचस्प है कि अमीरों के लिए सामुदायिक संलग्नता, सामूहिकता बहुत कम अहमियत रखती है। वे अपनी हाथी दांत की मीनारों में सुखी और संतुष्ट रहते हैं। इसी के साथ इस रिपोर्ट में उपलब्ध एक और जानकारी को भी जोड़ कर देखना खासा दिलचस्प होगा। क्विज़ शो में होने वाले रैपिड फायर राउण्ड की तर्ज़ पर जब इन उत्तरदाताओं से यकायक यह पूछा गया कि उनके लिए अच्छी गुणवत्ता वाली ज़िंदगी का क्या पैमाना है, तो उन्होंने इन बातों को अधिक महत्वपूर्ण माना। 43 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके लिएअच्छी गुणवत्ता वाली ज़िंदगी का अभिप्राय स्वस्थ शरीर और मन से है। अब यह बात रोचक लगेगी कि इन संपन्न लोगों में से भी एक चौथाई ने आर्थिक सुरक्षा को गुणवत्तापूर्ण ज़िंदगी का पर्याय बताया। 19 प्रतिशत ने अपने परिवार के साथ बिताए जाने वाले क्वालिटी टाइम को, तो 18 प्रतिशत ने सुखी और अर्थपूर्ण जीवन व्यतीत करने को गुणवत्तापूर्ण ज़िंदगी का पर्याय बताया। सबसे रोचक बात यह लगी कि इनमें सेकेवल 9 प्रतिशत ने अपने जीवन और काम के बेहतर संतुलन को गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए अनिवार्य बताया। इसे यों भी समझ सकते हैं कि उन्हें दिन-रात काम में डूबे रहने और इस वजह से जीवन के अनुभवों और सुखों की अनदेखी करने में कोई बुराई या अस्वीकार्यता नज़र नहीं आती है।

हम हर रोज़ देखते हैं कि सरकार की दिलचस्पी जिस काम में होती है उसे करने में आर्थिक साधनों की कोई कमी महसूस नहीं होती है, बल्कि वहां तो पानी की तरह पैसा बहाया जाता है! सारे अर्थाभाव केवल उन कामों के वक़्त याद आते हैं, जो आम नागरिक के जीवन को सुगम बना सकते हैं। ऐसे में क्वालिटी ऑफ लाइफ़ की बात केवल संपन्न लोग ही कर सकते हैं।

इसी रिपोर्ट में यह बात भी सामने आती है कि ज़्यादातर संपन्न भारतीय अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाने की तमन्ना रखते हैं। ज़्यादातर, अर्थात लगभग 90 प्रतिशत । इनमें से बहुतों के बच्चे या तो पहले से ही विदेश में पढ़ रहे हैं या वे भारी आर्थिक भार उठाकर भी अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजना चाहते हैं। यह अनुमान हैकि सन 2025 तक बीस लाख से ज़्यादा भारतीय विद्यार्थी विदेश में पढ़ रहे होंगे। पढ़ाई के लिहाज़ से अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर भारतीयों की प्राथमिकता सूची में ऊपर हैं। अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाने को लेकर इन भारतीयों को अनेक प्रकार के संकटों का सामना करना पड़ता है। आर्थिक संकट के अलावा सही विषय, सही पाठ्यक्रम, सही संस्थान का चुनाव करने के साथ-साथ अपने पसंदीदा संस्थान में प्रवेश कराने को लेकर भी इन्हें बहुत सारे तनावों का सामना करना पड़ता है।

क्या केवल संपन्न वर्ग ही अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाना चाहता है? क्या उनसे इतर वर्ग भारत में शिक्षा की स्थिति को लेकर संतुष्ट है? हमारे राजनेता बहुत ऊंची आवाज़ में भारत को विश्व गुरु बताते नहीं थकते हैं। अगर भारत वाकई विश्व गुरु है तो संपन्न वर्ग क्यों अपने बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश भेजना चाहता है? क्या यह केवल स्टेटस सिंबल का मामला है? अगर ऐसा भी है तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि सारे सरकारी दावों और नारों के बावजूद क्यों भारतीय शिक्षण संस्थानों ने ऐसी प्रतिष्ठा अर्जित नहीं कर ली है कि लोग अपने बच्चों को वहां पढ़ाकर गर्व से सर ऊंचा करें? अगर हमारे बच्चे पढ़ने के लिए अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यहां तक कि सिंगापुर भी जाना पसंद करते हैं तो क्या हमारे शिक्षण संस्थान भी विदेशों से विद्यार्थियों को आकर्षित करते हैं? अगर नहीं करते हैं तो क्यों नहीं करते !

इस सवाल का जवाब तलाश करता हूं तो पाता हूं कि हमने नारे तो बहुत लगाए हैं, बातें तो बड़ी-बड़ी की हैं, लेकिन यथार्थ में बहुत कम काम किया है। हाल में राजस्थान के शिक्षा विभाग ने अपनी मासिक रिपोर्ट में बताया है कि राज्य में व्याख्याताओं व वरिष्ठ अध्यापकों के बयालीस हज़ार और माध्यमिक शिक्षा में सभी कैडर के एक लाख पच्चीस हज़ार से भी ज़्यादा पद खाली हैं। स्कूली ही नहीं, उच्च शिक्षा कीभी हालत ऐसी ही है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों के खाली पद प्राय: चर्चा का विषय बनते हैं। एक ही उदाहरण पर्याप्त होगा। जयपुर स्थित हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में शिक्षकों के कुल स्वीकृत 32 पदों में से 25 पद रिक्त हैं। वहां कोई पुस्तकालयाध्यक्ष और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष कार्यरत नहीं है। कमोबेश यही हालत सभी विश्वविद्यालयों की है। ऐसे में जो समर्थ है वह क्यों न अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाने की सोचेगा? और जो अपने सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण अपने बच्चों को इस शिक्षक विहीन संस्थानों में प्रवेश दिलाकर उनके लिए किसी सुरक्षित भविष्य का सपना देखता है, उसका सपना चूर-चूर क्यों न होगा?

जो हालत शिक्षा की है उससे बेहतर हालत न तो स्वास्थ्य की है और न जीवन की अन्य ज़रूरी चीज़ों की। हमारे यहां अस्पताल हैं तो डॉक्टर नहीं हैं, और जो डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में कार्यरत हैं उन पर काम का इतना ज़्यादा बोझ है कि वे अपने काम के साथ न्याय कर ही नहीं सकते। बेशक बहुत विषम स्थितियों में भी वे जितना और जैसा काम कर रहे हैं, उसकी सराहना होनी चाहिए, और होती भी है लेकिन असल संकट तो अभाव का है, जो हमारे नीति निर्माताओं की प्राथमिकता में कहीं है ही नहीं। आखिर क्यों नहीं हम ज़रूरत के मुताबिक कार्मिकों की नियुक्ति कर पाते हैं? केवल इतना ही नहीं है। जो नियुक्त हैं उनसे हम ठीक से काम भी नहीं ले पाते हैं। उनसे काम करवाने के लिए जो बहुत ज़रूरी संसाधन होने चाहिएं वे भी हम सुलभ नहीं करवाते हैं, तो वे काम कैसे करेंगे? क्या यह असंभव या बहुत मुश्क़िल है कि हम यह तय करें कि हमारे पास इतने स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, अस्पताल आदि हैं और इनके लिए हमें कुल इतने कार्मिकों की ज़रूरत होगी। जितनों की ज़रूरत हमें है उतनों को हम भर्ती करें। कृपया आर्थिक सीमाओं की बात न करें। हम हर रोज़ देखते हैं कि सरकार की दिलचस्पी जिस काम में होती है उसे करने में आर्थिक साधनों की कोई कमी महसूस नहीं होती है, बल्कि वहां तो पानी की तरह पैसा बहाया जाता है ! सारे अर्थाभाव केवल उन कामों के वक़्त याद आते हैं, जो आम नागरिक के जीवन को सुगम बना सकते हैं। ऐसे में क्वालिटी ऑफ लाइफ़ की बात केवल संपन्न लोग ही कर सकते हैं। यह उचित ही है कि एचएसबीसी ने उन्हीं के जीवन में क्वालिटीऑफ लाइफ़ की पड़ताल की है।

आम लोग ज़िंदा हैं, यही क्या कम है !

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

अकारण गीधराज की हत्या का क्या हो प्रायश्चित? -लेख प्रासंगिक और सत्य घटना पर आधारित

(अकारण जीव हत्या प्रकृति के संतुलन में व्यवधान और प्रकृति द्वारा अक्षम्य : लेखक)

प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह

गिद्ध या गीध पक्षी बाज पक्षी के आकार का ही लगभग होता है। यह पक्षी केवल दूसरों द्वारा मारे गए अथवा अन्य किसी कारण मरे पशु-पक्षिओं के अवशेष बचे कुछे मांस खाकर जीवन निर्वाह करता है। बहुधा गीध अकेला रहना ही पसंद करता है। केवल मरे हुए शरीर अवशेष के खाने के लिए पता नहीं कहाँ-कहाँ से अनेक गिद्ध एकत्रित हो जाते हैं। सड़े हुए मांस को भी ये भक्षण कर लेते हैं। इस प्रकार ये पक्षी प्रकृति में साफ़-सफाई का काम करते हैं अन्यथा सड़ने से मांस कई दिनों तक वातावरण में बदबू बिखेरता रहता है।

मादा गिद्ध किसी बड़े ऊंचे पेड़ पर घोंसला बना कर अंडे देती है और उनसे चूजे निकलने तक घोंसले से बहुत कम दूर जाती है। सबसे ऊँचे स्थान पर घोंसला होने से मादा को उस वृक्ष से काफी दूर तक दिखता रहता है। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने एक गीध से एक प्रसंग में कहलवाया है कि **''मैं देखउ तुम नाहिं गीदहि दृष्टि अपार।'' सीता अन्वेषण के समय लंका जाने के लिए जब प्रभु राम समुद्र के किनारे पहुंच गए अन्य सेनापतिओं और बानर सेना के साथ, तो उन्हें एक कंदरा से ऐसी आवाज सुनी जैसे कोई 'हे राम' कह कर पुकार रहा हो। वे कंदरा के पास चले गए तो वहां एक वृद्ध गिद्ध राम राम पुकार रहा था, वह काफी वृद्ध और कमजोर था। भगवान् श्री राम के पूछनें पर उसने अपना नाम 'सम्पाती' बताया।** उसने फिर श्री राम को सूर्य की अपार गर्मी से अपने जले हुए पंख बताये और अपने 'भाई जटायु' के बारे में भी दृष्टांत बखान किया कि वह सूर्य की गर्मी सहन न करने से वापिस लौट आया लेकिन मैं आगे बढ़ गया और अपने पंख जला बैठा। इस वार्तालाप से ही श्री राम को पता चला कि माता सीता लंका में अशोक वाटिका में पेड़ की छाया में बैठी हैं। इसी वार्तालाप में श्री राम ने उसे उसके भाई जटायु की मृत्यु के बारे में कहा और पूरा हाल सुनाया। जटायु की मृत्यु से सम्पाती को बहुत दु:ख हुआ और श्री राम से निवेदन कर उसने समुद्र के पास जाकर दिवंगत भाई को जलांजलि देने की इक्छा प्रकट की, जिसे श्री राम जी ने पूरा करवाया।

तत्पश्चात विरह से पीड़ित सम्पाती प्रभु के पास लेट कर विरह में डूब गया। उसी समय भगवान् श्री राम ने उसका सिर अपनी गोद में रख लिया जहाँ कुछ समय बाद उसने प्रभु श्री राम की गोद में ही प्राण त्याग दिए। भगवान श्री राम ने उसका यथोचित सम्मान से अंतिम संस्कार किया और मन ही मन माता सीता की उपस्थिति का ज्ञान कराने के लिए उसका यथोचित आभार और उत्तम लोक प्रदान किया। **ईश्वर द्वारा गीध जैसा इतना सम्मान बिरलों को ही मिल पाता है। इससे पूर्व राम उसके जटायु भाई का भी अंतिम संस्कार अरण्य बन या पंचवटी के आसपास कर आये थे।**

लेख की उपरोक्त पृष्टभूमिके पश्चात् अब मैं अपनी करतूति को बखान भी करना चाहता हूँ जो पिछले लगभग 65 वर्ष से प्रतिदिन मेरे हृदय को बिचलित करता रहा। बात वर्ष 1957 की है। लेखक एक क्षत्रिय परिवार से सम्बंधित है जहाँ ग्रामीण परिवेश में हथियार चलाने की सभी तरह की ट्रेनिंग मिलती है। मेरे ऊपर किसी तरह की कोई बंदिश नहीं रही गाँव में डाकुओं का आतंक और भय सदा रहने से हम सब भाई बन्दूक, तलवार, भाला, लाठी, गुलेल, तीरकमान चलाना और और रख रखाव की ट्रेनिंग सभी भाई-बहिनों को मिली। इसलिए हथियार मेरे लिए कोई नई वस्तु नहीं रही।

एक दिन मैंने बारह बोर की बन्दूक लेकर गांव की पास बहती गंग नहर के पार एक बड़गद के विशाल वृक्ष के पास पहुंच गया जहाँ सबसे ऊंची साख पर एक गिद्ध बैठा दिखा उस गिद्ध को पहले भी मैंने अनेक बार देखा था संभवत: गिद्ध के लिए वह स्थान सबसे सुरक्षित तो था ही, वहां से उसे बहुत दूर तक का आहार दिख जाता था। उस गिद्ध के अतिरिक्त अन्य किसी पक्षी का बसेरा उस पेड़ पर नहीं था लेकिन रात के समय उल्लू कहीं से आकर उस पर बैठता जो कभी-कभी डरावनी बोली निकालता।

पता नहीं दिमाग में क्या आया मैंने बन्दूक में एक गोली का कारतूस दूरी और ऊंचाई अधिक होते हुए भी निशाना लेकर फायर कर दिया, अरे ये क्या हुआ? मुझे बिलकुल उम्मीद नहीं थी कि गोली गिद्ध को लग सकती है और गिद्ध मर भी सकता है।

आशा के विपरीत गिद्ध गोली लगते ही एकदम पेड़ से नीचे आ गिरा। मैंने पास जाकर देखा तो उसके प्राण निकल चुके थे। मैंने उसके मृत शरीर को लेकर पास ही बह रही गंगा नदी की नहर में शोकाग्नि में जलांजलि दे दी। मुझे इस बात का भान नहीं कि उस अकेले घोंसले में गिद्ध के अंडे या बच्चे भी थे अथवा नहीं।

घर आने पर मेरे बड़े भाई जो अधिक सात्वकि प्रवर्ति के थे, मुझे खरी-खोटी सुनाई और कहा कि इससे अपना क्या नुक्सान होता था? ये तो सफाई कर्मचारी था, बचे-खुचे सड़े-गले मांस को खाकर बदबू फैलने से रोकता है। उस समय मैनें कुछ भी बोलना ठीक नहीं समझा और अपने अचूक निशाने पर गर्व ही करता रहा। उस घटना के बाद कोई अन्य गिद्ध नें फिर उस पेड़ पर आकर घोंसला नहीं बनाया।

दिन गुजरते गए, माह वर्ष निकलते गए और आज जब मैं श्रंद्धाजलि स्वरूप यह घटना लिख रहा हूँ तो मन ग्लानि से भरा है, और लगभग 65 वर्ष से अधिक व्यतीत हो जाने पर भी वह घटना, मेरे हृदय से कभी विस्मृति नहीं हुई। मेरे इतने दिनों तक पश्चाताप के बाद भी ईश्वर ने इस पाप के लिए आज तक क्षमा नहीं किया। बाद में तो मैं जान गया कि अकारण ही किसी पशु-पक्षी का वध अक्षम्य है। प्रकृति में सबके कार्य और जिम्मेदारी ईश्वर ने ही बाँट रखी है। मेरे जैसे किये पाप से प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है और वायु मंडल में अप्रत्याशित बदलाव देखने को मिलते हैं। बाद के वर्षों में मैं राजस्थान के जोबनेर महाविद्यालय में आ गया और वर्ष 1987-88 में मैंनें भीषण अकाल की स्थिति जानने के लिए सड़क मार्ग से रेगिस्तान की यात्रा जैसलमेर तक की, जहाँ मैंने सड़क पर गिरे भूसे के चंद टुकड़ों को चाटने के लिए भूखे-प्यासे पशुओं को सड़क पर मीलों चलते देखा, कुछ नगण्य को पाने लिए। मैंनें पशुओं को वहां कंकाल की दशा में आँखों से आंसू निकलते भी देखा तो मेरा दिल दहल गया। मैंने सोचा हे ईश्वर इन मूक जीवो को किस पाप की सजा ?

अकाल की भयावता से मेरा दिल आज भी दहल जाता है, मरे हुए पशुओं के शरीर सूख गए, उन्हें भक्षण करने वाले जंगली जानवर और गिद्ध, कौवे आदि भी नहीं रहे, मरे कंकालों को खाता कौन? वहां के वातावरण में चमड़ी उतारने की भी किसी की औकात नहीं ? ऐसा हृदय विदीर्ण विदारक दृश्य से, मेरा हृदय भी अंदर ही अंदर रोया।

लौट कर मैंनें अंग्रेजी के दैनिक टाइम्स ऑफ इंडिया में एक लेख **''काऊ डाउन बय डेमोंनिक ड्राउट''** लिखा, जिसे पढ़कर पाठकों के हृदय द्रवित हो गये। इस लेख को भी लिखने का मेरा अभिप्राय इतना है कि **लोग संवेदनशील बने अन्य जीवों के प्रति। यह पृथ्वी केवल मनुष्यों के रहने के लिए नहीं है अपितु असंख्य जीव इस पर आश्रित हैं। जिनका हम लोग आंकलन भी नहीं कर सकते। याद रहे पशु-पक्षी भले नहीं बोले, न सुने आपकी बात , लेकिन वे आपकी भावना समझने में काबिल और सक्षम हैं।** गोस्वामी तुलसीदास जी ने मानस में दो गीध भाईओं यथा जटायु और सम्पाति की सहायता का वर्णन और उनकी कथा का वर्णन किया है। धन्य हैं वे गीध भाई जिनका जीवन श्री राम के लिए और जिनकी अंतिम गति भी प्रभु श्रीराम की गोद में हुई। भाग्यवान हैं वे निश्चय ही जिन्हें ईश्वर की गोद मिली बिरले ही ऐसी गति पा पाते हैं। **मैंने अपनी युवावस्था में यदि गीध भाईओं का यह प्रकरण जाना होता तो कदापि गिद्ध पर गोली नहीं चलाता।** उपरोक्त लेख केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक शक्तिशाली बिलक्षण जीवन दिशा बदलने वाला सटीक स्वंगभू अनुभव जो जीवन पथ पर आपका सहारा साबित हो सकता है। **आशा करता हूँ लेख पढ़कर लोग मेरी भावना को सराहेंगे भी और अन्यों को भी प्रकृति से जुड़ने में सहायता करेंगे।**

–प्रो.(डॉ.) वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, उदयपुर

हिंदी दिवस पर किरन जादौन को नेपाल में ''हिंदी काव्य रत्न सम्मान'' मिला

किरन जादौन की सैकड़ों रचनाएं देश-विदेश की विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है

करौली, (निसं)। जिले की प्रसिद्ध कवि तथा लेखिका किरन जादौन 'प्राची' को हिंदी दिवस पर उनकी कविता और आलेख के एक प्रतियोगिता में जिसमें देश-विदेश से साढ़े छ: हजार से अधिक प्रविष्टियां आई थी में चयनित होने पर लुंबिनी, नेपाल से हिंदी काव्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया है।

नेपाल के लुंबिनी में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की हिंदी कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। नेपाल की प्रसिद्ध संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल द्वारा भाषा तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों को एक ऑनलाइन

किरन जादौन

प्रतियोगिता के माध्यम से सम्मानित किया गया है। हिंदी दिवस के मौके पर शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउंडेशन नेपाल द्वारा आयोजित किए

■ साहित्य के क्षेत्र मे उल्लेखनीय योगदान के लिए अब तक कई सम्मान मिल चुके हैं

गए हिंदी दिवस अंतर्राष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता में बहुमुखी प्रतिभा की धनी शिक्षका किरन जादौन 'प्राची' को हिंदी काव्य रत्न की मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित किया गया है। इनकी सैकड़ों रचनाएं देश विदेश की विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है तथा साहित्य के क्षेत्र मे उल्लेखनीय योगदान के लिए अब तक कई सम्मान मिल चुके हैं। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु ने बताया कि किरन की रचना जीवंत लगती है। बड़े अच्छे शब्दों का चयन किया है। कविता में ऐसे लेखकों से ही असल समाज का निर्माण होता है जो विकास और सकारात्मक परिवर्तन के लिए लिखते हैं। ऐसे विशिष्ट रचनाकारों की पहचान कर राज्य की प्रोत्साहन राशि तथा सम्मान करने की आवश्कता है। आयोजित की गई प्रतियोगिता में नेपाल, भारत, अमेरिका, कनाडा तथा तंजानिया से 6742 महिला- पुरुष रचनाकारों की सहभागिता थी जिसमें 675 प्रतिभाओं का उत्कृष्ट कविता के आधार पर चयन कर सम्मानित किया गया है।

आयोजक संस्था को धन्यवाद देते हुए किरन जादौन प्राची ने कहा शब्द प्रतिभा वर्षों से देश विदेश के कवि तथा लेखकों को विभिन्न प्रतियोगिता के माध्यम से सम्मान कर प्रोत्साहित करती आई है।

नि:संदेह संस्था द्वारा किए जा रहे ऐसे कार्य से हम जैसे हजारों शिक्षकों तथा लेखकों को प्रोत्साहन मिला है। संस्था की सचिव चरना कौर का कहना है कि हिंदी आज किसी एक देश की भाषा नहीं बल्कि विश्व भाषा बन चुकी है। सभी को अपनी भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। इस प्रतियोगिता में हजारों शिक्षकों तथा लेखकों ने देश-विदेश में प्रतिभागिता की जो संस्था के लिए गर्व का विषय है।

अमेरिका व भारत के सैनिकों ने जूनागढ़ फोर्ट देखा

बीकानेर, (निसं)। भारत और अमेरिकी सेना के संयुक्त युद्धाभ्यास के बीच रविवार को जवानों ने बीकानेर के ऐतिहासिक जूनागढ़ को निहारा। बड़ी संख्या में अमेरिकी जवानों के साथ भारतीय जवान भी यहां जूनागढ़ के इतिहास की जानकारी लेते नजर आए। इन जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ सेल्फी भी ली तो बीकानेर के राजपरिवार के बारे में भी जानकारी एकत्र की। इस दौरान भारतीय सेना के आला अधिकारी भी इनके साथ रहे।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे युद्धाभ्यास में रविवार को अवकाश का दिन रहा। दोनों देशों के जवानों ने बीकानेर का भ्रमण किया।

अमेरिकी सैनिकों ने जूनागढ़ फोर्ट को निहारा।

इस दौरान जूनागढ़ में करीब एक से डेढ़ घंटे का समय लगाया। भारतीय सैनिक भी इनके साथ नजर आए। जूनागढ़ फोर्ट को देख कर अमेरिकी जवान रोमांचित नजर आए। गाइड जब इन्हें जूनागढ़ की जानकारी दे रहे थे तो जवानों ने सवाल जवाब भी किए। इस दौरान 9वीं बटालियन ऑफ राजपूत रेजीमेंट के सैनिकों और अधिकारियों ने भी अमेरिकी जवानों को राजस्थान के बारे में बताया। जूनागढ़ के बाहर बनी खाई को दिखाते हुए बताया कि किले की सुरक्षा के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। इसके अलावा राजा महाराजाओं की ओर से तब उपयोग में लिए जाने वाले हथियारों के बारे में भी बताया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 16 सितम्बर, 2024

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 4:33 तक, सुकर्मा योग दिन 11:41 तक, तैतिल करण दिन 3:11 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सायं 4:33 से आरम्भ होगा। आज अश्विन संक्रान्ति है। सूर्य कन्या राशि में सायं 7:43 पर प्रवेश करेगा। पूण्य काल दिन 1:19 तक है। गोत्रिरात्रि व्रत आरम्भ होंगे। आज पंचक और ईद-ए-मिलाद (बरावफात) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:48 तक, शुभ 9:19 से 10:50 तक, चर 1:53 से 3:24 तक, लाभ-अमृत 3:24 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:28

मेष

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

घर-परिवार में महत्वपूर्ण एवं धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। विवादित कारणों से अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित योजना बनेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

गणेशोत्सव में बही आस्था की गंगा

अजमेर, (कासं)। अजमेर में इन दिनों गणेश महोत्सव की धूम है। शहर की विभिन्न कॉलोनियों में गणेश प्रतिमा स्थापित कर श्रद्धालु अपनी आस्था प्रकट कर रहे है। आदर्श नगर स्थित शालीमार कॉलोनी विकास समिति के तत्वाधान में कॉलोनी के मंदिर परिसर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। गणेश चित्रण सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई, जिनमें नन्हे बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता के विजेताओं को समिति द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

सांस्कृतिक सचिव अनुपम भटनागर ने बताया कि गणेशोत्सव के अंतर्गत बच्चों के लिए गणेशचित्रण प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें वर्ग (अ) में अम्वी खत्री प्रथम, कास्वी जैन द्वितीय, इप्शिता रावत, अनय हेड़ा तृतीय स्थान पर रहे। आयुष सक्सेना व वंश जैन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। वर्ग (ब) में भूमि रांका प्रथम, शिवांग शर्मा द्वितीय, मनीषा रावत, साक्षी मुंडोतिया तृतीय स्थान पर रहे। दिव्यांशु मुंडोतिया व कुनुष शर्मा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। अल्का शर्मा तथा अस्मिता शर्मा इस प्रतियोगिता के निर्णायक रही। उन्होंने बताया कि महिलाओं के लिए मोदक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में उषा हेड़ा, अनुराधा गर्ग प्रथम, शिल्पा सक्सेना, लतिका शर्मा द्वितीय तथा पवित्रा अग्रवाल, मंजू माहेश्वरी तृतीय स्थान पर रहे।

हिंदू संगठनों का विरोध प्रदर्शन, सी.एम. के नाम ज्ञापन दिया

जहाजपुर में ठाकुर जी के बेवाण पर पत्थर फेंके जाने को लेकर आक्रोश

मसूदा (निसं.)। रविवार को सर्व हिंदू समाज एवं विश्व हिंदू परिषद चित्तौड़ प्रांत बजरंग दल द्वारा राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम मसूदा एसडीएम को एक लिखित ज्ञापन दिया जिसमें बताया गया कि राजस्थान में कट्टरपंथी मौलानाओं के संरक्षण में इस्लामिक जेहादियों द्वारा हिंदू समाज की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंच कर देंगे भड़काने के उद्देश्य से मस्जिद से देव विमानों पर पत्थर बाजी सहित अन्य संवेदनशील घटनाओं व बारावफात के जुलूस को हिंदू धार्मिक स्थलों के सामने से नहीं निकालने की मांग की है।

बजरंग दल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम मसूदा एसडीएम को एक लिखित ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बताया कि राजस्थान में कट्टररपंथी मौलानाओं के संरक्षण में इस्लामिक जेहादियों द्वारा गत दिनों से राष्ट्रीय एवं हिंदू महापर्वों पर निरंतर हिंदू समाज की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचकर दंगे भड़काने के उद्देश्य से षडयंत्र पूर्वक योजनाबद्ध तरीके से संवेदनशील घटनाओं को कारित किया जा रहा है। और बताया कि भीलवाड़ा के जहाजपुर में शनिवार को जलझूलनी एकादशी के पावन पर्व पर किले से आ रही पीतांबर राय महाराज के (बेवाण) पर मस्जिद से पत्थर बाजी की गई जिसमें पांच महिलाएं सहित कुछ युवकों व क्षेत्रीय विधायक को चोट आई है। इसी दिन भीलवाड़ा के उपनगर सांगानेर व बांसवाड़ा में गणेश पंडालों में पत्थर बाजी करके हमला किया गया। और ज्ञापन में बताया कि इससे पूर्व भीलवाड़ा में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर गाय की पूंछ काटकर मंदिर में फेंकने, उदयपुर में षडयंत्रपूर्वक नाबालिग के माध्यम से देवराज की हत्या, झालावाड़ जिले के बकानी में मुस्लिमों द्वारा हिंदू दलित परिवार के घर में घुसकर महिलाओं पर जानलेवा हमला करना, श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन कोटा जिले के रामगंज मंडी में शिवलिंग तोड़ना, स्वतंत्रता दिवस के दिन कोटा के कैथून थाना क्षेत्र के मंदिर परिसर में मांस से सने बर्तनों को धोने से मना करनेजेहादियों द्वारा हिंदू संत व महिलाओं का अपमान किया गया।

मुकदमा दर्ज होने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई। और बताया कि किस प्रकार की संवेदनशील घटनाओं से हिंदू समाज की भावनाओं को आहत होती है यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। जहाजपुर मस्जिद व मदरसों के मौलवी, सदर ने सपरिवार अन्य जेहादियों को साथ लेकर मस्जिद से पत्थर बाजी की है इन सभी को गिरफ्तार करके अवैध इस्लामिक मजहबी स्थानों को ध्वस्त किया जाए, अन्यथा बारावफात के इस्लामिक महजबी जुलूस को हिंदू धार्मिक स्थलों के सामने से नहीं निकलने दिया जाएगा इस दौरान जो भी परिस्थितियों बनेगी उसके लिए प्रशासन सहित मुस्लिम समाज स्वंय जिम्मेदार होगा।इस दौरान सर्व हिंदू समाज के वक्ताओं ने कहा कि विगत कुछ समय से इस्लामिक जिहादी तत्वों द्वारा षडयंत्र पूर्वक एक निश्चित समय अंतराल पर हिंदू समाज के विरुद्ध अघोषित छद्म युद्ध छेड़ा गया है।

सार-समाचार

जलझूलनी एकादशी का पर्व मनाया

सरवाड़ (निसं.)। सरवाड़ कस्बे में भारतीय संस्कृति का इन्दूधनुषी जलझूलनी एकादशी का पर्व उल्लास भरे वातावरण में धार्मिक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया इस अवसर पर यहां के आती प्राचीनतम और ऐतिहासिक गोपीनाथ जी के मंदिर पर सायंकाल 5 बजे सभी प्रमुख मंदिरों के बेवाण एकत्रित हुए और पूजा अर्चना के बाद इन सभी रेवड़ियों की आकर्षण शोभायात्रा प्रारंभ हुई वहीं ढ ोल बाजों और व मंजीरों की थाप और शंखनाद के बीच गुलाब के फूलों गोटा किनारी और रंग बिरंगी चमकदार पन्नियों से सजी-धजी रेवड़ियों का निकाला जुलूस वहीं आदिनाथ मंदिर महावीर भवन बाबरों की धाटी मोमीन मोहल्ला व अस्थल होता हुआ सांपला दरवाजे के बाहर स्थित धोवानिया तालाब पर पहुंचा जहां सैकड़ो की तादाद में उपस्थित श्रद्धालु नर नारियों ने जय घोषो एवं विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ भगवान का जलाभिषेक किया गया और भगवान की महाआरती उतारी गई बाद में सभी रेवड़ियों को तालाब के किनारे वट वृक्ष के नीचे रखा गया एवं परम्परानुसार राजा बालि की कथा का वाचन हुआ और उसके बाद शंख ध्वनि के साथ आरती की आरती के बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया रेवड़ियों के जुलूस में सबसे आगे स्वर्णकार समाज की रेवाड़ी थी उसके पीछे गोपीनाथ मंदिर रघुनाथ मंदिर लक्ष्मी नारायण मंदिर सत्यनारायण मंदिर सीताराम मंदिर मुरली मनोहर मंदिर (पारीक मोहल्ला)व माली मोहल्ला स्थित रघुनाथ मंदिर की रेवड़िया चल रही थी जुलूस में सभी शामिल श्रद्धालु गोविंद हरे गोपाल हरे सर्वेश्वर दीन दयाल हरे संकीर्तन करते हुए चल रहे थे जुलूस के दौरान पूरे रास्ते में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ जमा थी श्रद्धालुओं में धार्मिक मान्यतानुसार रेवड़ियों के नीचे से होकर निकलने की एक अघोषित होड़ सी मची हुई थी सायंकाल यहां परम्परागत मेले का आयोजन भी हुआ पूरा चौक दर्शनार्थियों से खचाखच भरा हुआ था बाद में रात्रि को रेगरान समाज की ओर से भी बाबा रामदेव महाराज की रेवाड़ी निकाली गई तथा इस मौके पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आया।

वृहद शान्तिधारा

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतवर्षीय श्री दिगम्बर जैन महासभा, अजमेर संभाग, अजमेर के संयोजक संजय कुमार जैन एवं संभाग प्रवक्ता कमल गंगवाल ने बताया कि पर्यूषर्ण पर्व के अवसर पर आज उत्तम त्याग धर्म पर नित्य नियम पूजन, अभिषेक व वृहद शान्तिधारा जैन समाज के सभी मन्दिरजी जिनालयों नसियां, क्षेत्रों में की गई। गंगवाल व जैन ने जानकारी दी कि दसलक्षण धर्म की श्रृंखला के तहत सभी जिन मन्दिरजी, नसियांजी में ब्र. भैया व दीदियो ने अपने प्रवचन में कहा कि आज उत्तम त्याग धर्म- उत्तम त्याग करे जो कोई भोगभूमि सुर षिवसुख होई अर्थात-उत्तम त्याग करने वाले व्यक्ति को मुक्ति सुन्दरी स्वयंमेव वरण करती है तथा देवता भी उसे नमस्कार करते है । अपने लाभ और लालच को नींद से जागो और पर द्रव्यों में क्यों फंसा छोड मोह माया का बंधन, बुराईयों का त्याग और अच्छाईयों को ग्रहण करो। ज्ञान और धन के खोल दो भंडार, जिंदगी है सीमित। आज अपने परिग्रहरूपी पाप पर सीमा बांधना है। धन की, पापों की सीमा बांधो, झूंठ, चोरी परिग्रह, कुषील , ग्रहस्थी की सीमा बांधो। अधर्म को सीमित करने का नाम त्याग है। विजय पांडया ने जानकारी दी कि आज धार्मिक वाद विवाद प्रतियोगिता, धार्मिक हाउजी, भक्ति संगीत नृत्य, भक्तामर पाठ, नवकार पाठ व 108 दीपकों से महाआरती की गई।

नवीन कार्यकारिणी का गठन

मसूदा (निसं.)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उप शाखा मसूदा के वार्षिक चुनाव 2024 25 निर्विरोध संपन्न, नवीन कार्यकारिणी में सभा अध्यक्ष श्रवण सिंह चौहान अध्यक्ष मंगल सिंह जी रावत मंत्री राजा पृथ्वी पाल सिंह जी राठौड़ कोषाध्यक्ष मांगू राम जी गुर्जर उपसभा अध्यक्ष महावीर प्रसाद टेलर अल्लाह नूर काठात वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय सिंह रावत महिला उपाध्यक्ष संतोष चौहान उपाध्यक्ष पुरुष केसर सिंह महिला मंत्री उषा कुमारी हाडा अध्यापक गोविंद सिंह चौहान पंचायत समिति शिक्षक गोपी राम वरिष्ठ अध्यापक शंकर लाल प्राध्यापक मोठू राम रेबारीमहिला शिक्षक सीमा तवर शारीरिक शिक्षक शैलेंद्र सिंह सोलंकी सेवानिवृत शिक्षक श्रवण कुमार वर्मा पंचायत शिक्षक नियाज मोहम्मद प्रदेश महासमिति में रतन सिंह देवड़ा पंकज शर्मा करण सिंह बडगूजर शैलेंद्र सिंह सोलंकी गंगा सिंह पडियार श्याम सुंदर शर्मा नरेंद्र सिंह चौहान इसी प्रकार जिला महासमिति में 26 सदस्यों का निर्वाचन किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

अजमेर, (कासं)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर है। रविवार को केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अराई गांव में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय में आयोजित 68वीं जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लेकर विद्यालय परिवार, प्रतिभागी खिलाड़ियों, आयोजक सदस्यों से संवाद करते हुए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में प्रतिभागी खिलाड़ी, प्रशिक्षक, शिक्षकगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, प्रशासनिक अधिकारी एवं स्थानीय खेल प्रेमी आमजन उपस्थित रहे। खिलाड़ियों के साथ कबड्डी के मैदान में उतरे केंद्रीय मंत्री : समारोह के दौरान केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने स्थानीय क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निवारण को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया। कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी खुद को खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरे और दमखम दिखाते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि कबड्डी हमारे देश की मिट्टी से जुड़ा हुआ खेल है, जो हमारी संस्कृति, परंपरा और वीरता का प्रतीक है। इस खेल की जड़ें हमारी प्राचीन धरोहरों में हैं, जहां शारीरिक क्षमता, मानसिक चातुर्य और साहस का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

पुलिस ने मार्च पास्ट निकाला

बिजयनगर (निसं.)। शनिवार कोशाहपुर जिले के जहाजपुर में हुई पत्थर बाजी की घटना के पश्चातपुलिस प्रशासनअलर्ट मोड पर है।सोमवार को सब्जी मंडी में लगने वालेश्री राम भक्त हनुमान मंदिर मेले में परंपरागत रूप से शहर के प्रमुख मार्गो से निकलने वाले बजरंग अखाड़े की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने मार्च पास्ट निकला। तहसीलदार शिल्पा चौधरी पुलिस उच्चाधीक्षक मसूदा सज्जन सिंह थानाधिकारी राजमल कुमावत मय जाब्ते के राजनगर से मुख्य बाजार होते हुए बालाजी के मंदिर मार्ग पर फ्लैग मार्च रिहर्सल किया।

"सभी जगत का मंगल होय"

अजमेर, (कासं)। आज भारतीय जैन मिलन आदिनाथ अजमेर द्वारा बड़े धडे की नसिया के पास स्तिथ 'जैन आचार्य विद्या सागर कीर्ति स्तम्भ' से सब्ज़ी मण्डी चौराहा तक एक रैली निकल कर 'मंगलाचरण एवं मेरी भावना छपे हुए पत्रक वितरित किये। गौरतलब है कि इस समय एक सितम्बर से सतरह सितंबर तक जैन समाज के पर्यूषण महापर्व चल रहे हैं जिसमें जैन समाज द्वारा अपने आत्मकल्याण के साथ साथ संसार के समस्त जीवों के कल्याण की त्याग एवं तपस्या के माध्यम से मंगल कामना की जाती है।

मंगलाचरण पत्रक' में बहुत ही साधरण लेकिन प्रभावपूर्ण तरीके से इसी भावना को दर्शाया गया है। भारतीय जैन मिलन अजमेर के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी ने बताया कि जैन समाज के लोग् एक छोटी सी चिंटी को मारने में भी बहुत बड़ा पाप समझते हैं तथा चाहते हैं कि सब जीवों में मैत्री भाव बना रहे। जैन धर्म के इन्हीं मूल सिद्दांतों का पालन करना आज के समय की आवश्कता है।

इस अवसर पर राकेश मामा, ललित जैन पान्डे, निक्की जैन, उदयपुर जैन मिलन के सचिव चन्द्र कुमार जैन, महिला ईकाई की अधयक्षा मीनाक्षी, मीना, अजय दोसी, मनीष सेठी, कार्यकारी अध्यक्ष मदन लाल बाफना, सचिव सुनील छाजेड़, उपाध्यक्ष राजेन्द्र पाटनी, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पी सी जैन गंगवाल सहित अन्य सदस्य उपस्तिथत रहे।

गणेश प्रतिमा विसर्जन 17 को

अजमेर, (कासं)। सागरविहार कॉलोनी स्थित बडकालेश्वर मंदिर में गणेश महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया जा रहा हैं। गणेश चतुर्थी पर स्थापित गणेश प्रतिमा की महिला मंडल द्वारा रोजाना पूजा अर्चना की जा रही हैं। कार्यक्रम संयोजक वीना उप्पल ने बताया कि प्रतिदिन सांयकाल महिला मंडल द्वारा भजन गाए जाते हैं । गणेश जी की स्तुति की जाती हैं । गणेश जी के भोग लगाकर आरती की जा रही हैं। तत्पश्चात प्रसाद वितरित किया जाता हैं। छोटे बच्चो के बीच विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की जाती हैं, विजेताओं एवम प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता हैं। इस अवसर पर कौशल्या, लीला अग्रवाल, नगीना चतुर्वेदी, आभा गांधी, अपूर्वा अग्रवाल, प्रियंका शर्मा, अनीता राठी, वर्षा लोढ़ा, अनीता गार्गिया, सहित क्षेत्र की अनेक महिलाएं मौजूद थी। गणेश महोत्सव के समापन पर गणपति विर्सजन मंगलवार को मध्यान्ह 2.15 बजे गाजे बाजे के साथ किया जाएगा।

एकादशी का उत्सव मनाया

भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में जलझूलनी एकादशी धूमधाम से मनाई।

अजमेर, (कासं)। अमरदीप आरपीएएससी कॉलोनी मे स्थित भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में जलझूलनी एकादशी के पावन अवसर पर गाजे-बाजे के साथ शाही अंदाज में फूल-मालाओं से सजी हुई ठाकुर जी की रेवाड़ी निकाली गई।

मंदिर से ठाकुर जी की सवारी आज मंदिर परिसर से आरंभ होकर कॉलोनी के विभिन्न क्षेत्रों से निकल गई ठाकुर जी की सवारी का जगह-जगह स्वागत किया तथा रेवाड़ी की सवारी में आज महिला पुरुष तथा बच्चे नाचते गाते हुए सवारी का आनंद ले रहे थे सवारी विभिन्न मार्गो से आरंभ होकर मंदिर परिसर पहुंची, जहां पुजारी द्वारा पूजा पाठ करवाई और आरती की गई इसके पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया।

पावर प्लांटों का शिलान्यास 17 को

अजमेर, (कासं)। मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार द्वारा 17 सितम्बर को अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सौर ऊर्जा संयंत्रों पीएम कुसुम- सी योजना व 33/11 केवी सब स्टेशनों का शिलान्यास किया जा रहा है।

- **समारोह की व्यवस्था के लिए प्रबंध निदेशक के पी वर्मा ने जारी किए निर्देश**

प्रबंध निदेशक के.पी. वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री कुसुम-सी के अंतर्गत अजमेर डिस्कॉम के अलग-अलग सर्कल्स में चिन्हित 103 सौर ऊर्जा पावर प्लांट्स का शिलान्यास मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया जाएगा व कार्यक्रम की अध्यक्षता ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर करेंगे। शिलान्यास (वर्चुअल माध्यम) कार्यक्रम में भाग लेने वाले वृत कार्यालय, पंचायत ब्लॉक व जिला स्तर पर वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे।

प्रबंध निदेशक वर्मा ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए एक वी सी का आयोजन किया, जिसमें निदेशक तकनीकी एम सी बाल्दी ने सभी अधीक्षण अभियंताओं व प्रभारी अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बाल्दी ने बताया कि निगम के 12 सर्किल में 103 पावर प्लांटों का शिलान्यास किया जा रहा है, इन पावर प्लांटों की कुल क्षमता 221.21 मेगावॉट है। चीफ इंजीनियर (प्रोजेक्ट) गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि इन प्लांट्स की अनुमानित लागत 774.24 करोड़ है और इनके सफल स्थापना के पश्चात अधिकतम 1.05 करोड़ प्रति मेगावाट सीएफए (सब्सिडी) केंद्र सरकार द्वारा देय हैं। समस्त एसई ओएंडएम को सोलर पावर प्लांट के मालिक, जन प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के साथ समन्वय करने के साथ-साथ अपने सर्कल में कार्यक्रम की व्यवस्था करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इन सर्किलों के पावर प्लांटों का होगा शिलान्यास- जानकारी के अनुसार अजमेर सर्किल मे 6, बांसवाड़ा सर्किल मे 1, ब्यावर मे 1, भीलवाड़ा मे 9, चित्तौड़गढ़ मे 10, डीडवाना- कुचामन मे 16, झुंझुनूं मे 7, नागौर मे 35, नीम का थाना मे 5, प्रतापगढ़ मे 1, सीकर मे 6, और डूंगरपुर मे 6, इन 12 सर्किलों के पावर प्लांटों का शिलान्यास होगा।

विधायक ने दरगाह में दी हाजरी

अजमेर, (कासं)। सूफी संत हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ में रविवार को महाराष्ट्र के सोलापुर से एक हजार जायरीन के दल सहित विधायक दिलीप ने दरगाह जियारत की। उन्होंने यहां सूफी परंपरा के अनुरूप मखमली चादर व फूल पेश किए दुआ मांगी। उन्हें दरगाह के खादिम सैयद इब्राहिम चिश्ती ने जियारत कराई और दस्तारबंदी की। हिंदू मुस्लिम सभी धर्म व समाज के लोगों को लेकर महाराष्ट्र के शोलापुर से विधायक दिलीप ख्वाजा साहब की दरगाह में जियारत करने रविवार को अजमेर पहुंचे, यहां उन्होंने सूफी परंपरा के अनुरूप दरगाह जियारत की। विधायक ने बताया कि ख्वाजा साहब की दरगाह में नसीब वाला ही आता हैं।

श्राद्धपक्ष 18 से

अजमेर, (कासं)। सनातन संस्कृति में पितृपक्ष को महत्वपूर्ण माना जाता है। इस बार 18 सितम्बर यानी पूर्णिमा से श्राद्धपक्ष की शुरुआत होगी। पितृपक्ष में लोग पुष्कर सहित तीर्थ स्थलों पर पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म, तर्पण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे। पुरोहितों को दान,पुण्य, गायों, श्वान व कौओं को भी भोजन कराया पितरों का आशीर्वाद लिया जाएगा।

आचार्य पवन भारद्वाज ने बताया कि शास्त्रों में कहा गया है कि जो स्वजन अपने शरीर को छोडक़र चले गए हैं चाहे वे किसी भी रूप में अथवा किसी भी लोक में हों, उनकी तृप्ति और उन्नति के लिए श्रद्धा के साथ जो शुभ संकल्प और तर्पण किया जाता है वह श्राद्ध है। उन्होंने बताया इस बार 18 सितम्बर पूर्णिमा से श्राद्धपक्ष की शुरुआत हो रही है, समापन 2 अक्टूबर को होगा। उन्होंने बताया कि 18 सितम्बर प्रतिपदा का श्राद्ध, 19 सितम्बर द्वितीया, 20 सितम्बर तृतीया, 21 सितम्बर चतुर्थी, 22 सितम्बर पंचमी, 23 सितम्बर षष्ठी, 24 सितम्बर सप्तमी, 25 सितम्बर अष्टमी, 26 सितम्बर नवमी, 27 सितम्बर दशमी, 28 सितम्बर एकादशी, 29 सितम्बर द्वादशी, 30 सितम्बर त्रयोदशी, 1 अक्टूबर चतुदर्शी तथा 2 अक्टूबर सर्वपितृ अमावस्या का श्राद्ध रहेगा।

आचार्य भारद्वाज ने बताया कि पितृपक्ष में पूर्णिमा से अमावस्या तक जिन पूर्वजों की मृत्यु हुई है, उनकी तिथि पर श्राद्ध कर्म किया जाता है। जिन पूर्वजों की तिथि ज्ञात नहीं है, उनके लिए सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या के दिन श्राद्धकर्म और तर्पण किया जाता है।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस आज

अजमेर। इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के मौके पर मनाए जाने वाले जस्ट ईद मिलादुन्नबी का जुलूस सोमवार सुबह 9 ऐतिहासिक ढ ाई दिन के झोपड़े से निकाला जाएगा।

सूफी इंटरनेशनल के तत्वाधान में होने वाले इस कार्यक्रम में मुस्लिम समाज के सभी वर्ग शामिल होंगे। जुलूस के लिए सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए। जिला प्रशासन द्वारा जुलूस को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में दरगाह सहित आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया है। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर रविवार देर रात्रि को सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह सहित विभिन्न मस्जिदों में अकीदतमद इबादत करते नज? आए और रात भर मोहम्मद साहब की शान में सलातो सलाम और नात ए मंकबत के नजराने पेश किए जाते रहे।

सूफी इंटरनेशनल के सचिव नवाब हिदायतउल्ला ने बताया कि जुलूस ढ ाई दिन के झोपड़े के सामने से प्रारंभ होगा जोकि अंदर कोट, त्रिपोलिया गेट, चिश्तिया मार्केट, कमानी गेट होता हुआ दरगाह के मुख्य द्वार पहुंचेगा, यहां अंजुमन के पदाधिकारी और खादिम जुलूस में शामिल लोगों का इस्तकबाल कर जुलूस में शामिल होंगे। यहां से जुलूस दरगाह बाजार, मोती कटला, धान मंडी, देहली गेट, गंज होता हुआ फव्वारा चौराहा पहुंचेगा, यहां से ऋषि घाटी स्थित चिल्ला कुतुब साहब पर दोपहर 1:30 बजे मोहम्मद साहब की शान में सलातो सलाम पेश कर देश में अमन चैन भाईचारगी के लिए दुआ मांगी जाएगी।

मुस्लिम युवाओं ने शिविर में 181 यूनिट रक्तदान किया

वार्ड में भर्ती मरीजों को फलों का वितरण किया

मदनगंज-किशनगढ। भारतीय मुस्लिम युवा संस्था की और से राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल स्थित आर के पाटनी ब्लड बैंक में आयोजित शिविर में 181 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ।

जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराने के उदेश्य को लेकर ईद के मुबारक मौके पर आयोज्य शिविर में सुबह से ही युवाओं ने कतारों में खडे होकर उत्साह के साथ रक्तदान किया। संस्था अध्यक्ष टीपू सुल्तान ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्था द्वारा मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. विकास चौधरी, पूर्व विधायक सुरेश टाक, प्रतिपक्ष नेता हमीदा बानो, पार्षद रफीक चौहान, तककी मोहम्मद, सलीम मोहम्मद, परवीन बानो, पंचायत समिति सदस्य रवि सिनोदिया, पूर्व पार्षद कलसुम शेख, सलीम कुरैशी, एडवोकेट राकेश शर्मा, मोहम्मद हुसैन, आमिर, आजम कुरैशी, अब्दुल अजीज, मुंशी शेख के अलावा सैकडो समाजबंधु मौजूद रहे। संस्था से जुड़े मुकद्दर गेगल, शरीफ गेगल, रमजानी, गुलहसन, वसीम, अब्दुल वाजिद, अल्ताफ हुसैन, इमरान सोलंकी, रफीक रंगरेज, फरहान, आरिफ, शाहनवाज व बुंदू खान सहित कई युवाओं ने रक्तदान किया। साथ ही संस्था द्वारा वार्ड में भर्ती मरीजों को फलों का वितरण किया। प्रतिपक्ष नेता व पार्षद हमीदा बानो व पूर्व पार्षद कलसुम शैख ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिविर में सुबह से ही युवाओं ने कतारों में खडे होकर उत्साह के साथ रक्तदान किया।

बिजयनगर बन्द का आव्हान

बिजयनगर। शाहपुर जिले के जहाजपुर कस्बे में शनिवार को ठाकुर जी के बेवाण निकाले जाने के दौरान की गई पत्थरबाजी की घटना के विरोध में सर्व हिंदू समाज बिजयनगर व सर्व हिन्दू समाज संगठनों ने जुलुस निकालकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। सर्व हिंदू समाज के तत्वाधान में आयोजित विरोध प्रदर्शन जुलुस रविवार शाम रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होकर पीपली चौराहे पर पहुंचा। पीपली चौराहे पर तहसीलदार शिल्पा चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा गया। मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित ज्ञापन में बताया कि कट्टरपंथी मोल्लानाओं के संरक्षण में इस्लामिक जेहादियों द्वारा हिन्दू समाज की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने दंगे भड़काने के उददेश्य से मस्जिद से देव विमानों पर पत्थरबाजी सहित अन्य संवेदनशील घटनाओं का विरोध जताते हुए बारावफात के जुलूस को हिन्दू धार्मिक स्थलों के सामने से नहीं निकालने की चेतावनी दी। राजस्थान में कटटरपंथी मौलानाओं के संरक्षण में इस्लामिक जेहादियों द्वारा गत दिनों से राष्ट्रीय व हिन्दू महापर्वों पर निरंतर हिन्दू समाज की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाकर दंगे भड़कानें के उददेश्य से षडपयंत्रपूर्वक योजनाबद्ध तरीके से संवेदनशील घटनाओं को कारित किया जा रहा है। भीलवाड़ा के जहाजपुर में शनिवार को जलझूलनी एकादशी के अवसर पर किले से आ रहे पीतांबर राय महाराज के (बेवाण) पर मस्जिद से पत्थरबाजी की गयी।

भजन संध्या आज

अजमेर। श्री दिगंबर जैन बीस पंथी नागौरी आमनाय पंचायत छोटा धड़ा की नसिया जी जहा अतिशयकारी एवम चतुर्थकालीन 1008 श्री आदिनाथ भगवान का दरबार है में आज सोमवार,दिनांक 16 सितंबर 2024 को सायंकाल आरती के पश्चात श्री दिगंबर जैन संगीत मंडल अजमेर के तत्वावधान में एक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया है।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक: अविप्रा/प.3/भू.उ. परि./2024/5615 दिनांक: 30.07.2024

सार्वजनिक सूचना:- नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार के अधिसूचना क्रमांक प.11 (8)नविवि/2020 दिनांक 24.02.2021 एवं अजमेर विकास प्राधिकरण अधिनियम 2013 के अन्तर्गत निम्नांकित भूमि का आवासीय से व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन हेतु प्रस्तावित किया गया है:-

क्र. सं.	नाम आवेदक	योजना/ राजस्व ग्राम का नाम	खसरा संख्या/ प्लॉट नं.	कुल क्षेत्रफल	जोनल डवलपमेंट प्लान 2033 (जोन-2) के अनुसार भू-उपयोग	स्वीकृत भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गुलाबो सपेरा नृत्य व संगीत संस्था	गनाहेड़ा (तहसील पुष्कर)	खसरा संख्या 3219/539	8000.00 वर्गमीटर	परिधि नियंत्रण पट्टी	परिधि नियंत्रण पट्टी	संस्थानिक

उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने पर किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस में अपनी आपत्ति कारण/विवरण सहित अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर में दर्ज करावें अन्यथा अवधि के उपरान्त किसी भी आपत्ति या सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा। (मुकेश मित्तल)

सहायक नगर नियोजक, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

बुजुर्ग महिलाओं के अपहरण का मामला : पुलिस ने आरोपियों की परेड कराई

चारों आरोपियों को नई चौपाटी से घटना स्थल तक पैदल लेकर पहुंची पुलिस

अजमेर, (कासं)। अजमेर में शनिवार को दो बुजुर्ग महिलाओं के अपहरण मामले में क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने गिरफ्तार चारों आरोपियों को रविवार को लिंक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया, जहां चारों को 17 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर सौंपने के आदेश दिए। इससे पहले पुलिस ने चारों आरोपियों का अस्पताल में मेडिकल मुआयना कराया। पुलिस ने चारों आरोपियों की नई चौपाटी से घटना स्थल तक पैदल परेड कराई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर दुर्गसिंह राजपुरोहित ने बताया कि शनिवार को दो बुजुर्ग महिलाओं का दिनदहाड़े अपहरण किया था। मामले में क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। रविवार सुबह चारों आरोपियों को लिंक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया, जहां 17 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर लिया है। इससे पहले आरोपियों का अस्पताल में मेडिकल मुआयना कराया। चारों आरोपियों की नई चौपाटी से घटना स्थल तक पैदल परैड करा मौका तस्दीक करवाई गई। उन्हें पैदल पुरानी चौपाटी से घटना स्थल तक लाया गया। पुलिस ने दहशत फैलाने वाले, महिलाओं का अपहरण कर अभद्रता करने वाले मुख्य आरोपी अब्दुल आदिल शेख, रोहित यादव, मोइनुद्दीन खान और होशियार सिंह उर्फ मुकेश को पैदल घुमाया। राजपुरोहित का कहना रहा कि इस तरह के अपराधियों से आमजन को भयभीत रहने की जरूरत नहीं है।

पुलिस ने अपहरण के मामले में चारों आरोपियों की अजमेर शहर में परेड कराई।

एएसपी राजपुरोहित ने बताया कि भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चारों आरोपियों को घटना स्थल पीड़ित बुजुर्ग महिलाओं के घर ले जाया गया, जहां बजुर्ग महिलाओं ने पुलिस से आरोपियों को सख्त सजा की मांग की। पुलिस ने अपराधियों के हाथों में हथकड़ी बांध रखी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार अपहरण का सीन भी रीक्रिएट किया गया, आरोपियों ने दोनों महिलाओं को किस तरह घर से किडनेप किया। पुलिस ने घटना का मौका नक्शा भी बनाया है।

पीड़ित बुजुर्ग महिला रिटायर्ड प्रो. रमा रानी जैन के भाई अनिल जैन ने बताया कि चन्द्रकरण शारदा मार्ग पर उनके पिता एडवोकेट चन्द्रसैन जैन की संपत्ति है। शातिर आदिल ने 43 साल पहले यानि वर्ष 1981 में अपने नाना को 75 हजार रुपए में बेचाना बताया था, जबकि उसका जन्म ही नहीं हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड में उसकी उम्र 31 साल बताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि उसने 2016 में एक वसीयत बनाई जिसमें बताया गया कि उसके नाना ने एडवोकेट चन्द्रसैन जैन से खरीदी संपत्ति की वसीयत में उसे वारिस बनाया गया। शातिर आदिल 1295 गज संपत्ति की फर्जी वसीयत भी तैयार करवा ली थी। फर्जी वसीयत के आधार पर उसने नगर निगम में 2016 में नामांत्रण के लिए आवेदन भी किया था। अखबारों में प्रकाशित आम सूचना से जैन परिवार को इस फर्जीवाड़े की जानकारी मिली थी। इसको लेकर एक प्रकरण कोर्ट में विचाराधीन है।

- आरोपियों को रविवार को लिंक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया, 17 तक रिमांड पर भेजा

जहाजपुर कस्बे में स्थिति तनावपूर्ण बनी

बीजेपी विधायक गोपीचंद मीणा फिर धरने पर बैठे

भीलवाड़ा, (निसं)। पड़ोसी जिले शाहपुरा के जहाज़पुर कस्बे में शनिवार दोपहर के बाद जलझूलनी एकादशी पर निकाले जा रहे एक धार्मिक जुलूस पर मस्जिद के बाहर हुए पथराव के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए थे। प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय विधायक गोपीचंद मीणा की दो दौर की बातचीत के बाद विधायक ने धरना समाप्त कर दिया था, मगर रविवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होकर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ उनके मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग पर अड़ गए।

- आरोपियों के मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग

विधायक गोपीचंद मीणा के साथ बड़ी संख्या में लोग धरने में बैठकर बुलडोजर की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कस्बे के बाजार दूसरे दिन बंद हैं। कस्बे में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अजमेर रेंज आईजी ओमप्रकाश अजमेर संभाग के आयुक्त शाहपुरा जिला कलेक्टर, एसपी, भारी पुलिस बल के साथ कस्बे में तैनात है। धरना स्थल के पास ही एक मकान में प्रशासन और प्रतिनिधि दल के बीच वार्ता का दौरा जारी है।

बुजुर्ग महिला से रेप की कोशिश

दीवार फांदकर घुसा, शोर मचाने पर बदमाश भाग गया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के गजसिंहपुर थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से रेप के प्रयास का मामला दर्ज हुआ है। इसमे पीड़िता का आरोप है कि आरोपी दीवार फांदकर घर में घुसा और रेप की कोशिश की। पीड़िता के शोर मचाने पर बदमाश भाग गया।

बुजुर्ग महिला से रेप के प्रयास के आरोप में गजसिंहपुर थाने में मामला दर्ज किया गया। महिला का आरोप है कि आरोपी से उसकी जान-पहचान है।

चार दिन पहले आरोपी दीवार फांदकर उसके घर में घुसा। महिला का कहना है कि उसके शोर मचाने पर आरोपी घर से भाग गया। गजसिंहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी बुधराम का उसके घर आना जाना है।

रात को आरोपी दीवार फांदकर उसके घर में घुस गया। आरोपी ने घर में घुसकर रेप का प्रयास किया। आरोपी की नीयत को भांपते हुए उसने शोर मचा दिया। इससे आसपास के लोग एकत्र हो गए। शोर मचाने के साथ ही आरोपी मौके से फरार हो गया। एसएचओ राकेश सांखला ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज हुआ है। जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित महिला काफी बुजुर्ग है। उससे घटना के बारे में जानकारी लेकर जांच की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कल झुंझुनूं आएंगे

झुंझुनूं, (निसं)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 17 सितंबर को झुंझुनूं आएंगे। वे यहां पर नगरीय विकास मंत्रालय की ओर से चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत राज्य स्तरीय स्वच्छ राजस्थान कार्यक्रम का शुभारंभ झुंझुनूं से करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय नगरीय विकास मंत्री मनोहरलाल खट्टर तथा प्रदेश के यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को शुरू कर दिया गया है।

राजकीय पीरूसिंह स्कूल के खेल मैदान में यह कार्यक्रम होगा। इससे पहले उप राष्ट्रपति सभी अतिथियों के साथ शहर की रोड नंबर दो पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश देंगे।

- उपराष्ट्रपति झुंझुनूं से स्वच्छ राजस्थान कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे

रविवार को तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला कलेक्टर रामावतार मीणा तथा एसपी शरद चौधरी ने आयुक्त अनिता खीचड़ व अन्य अधिकारियों के साथ हवाई पट्टी, हवाई पट्टी से कार्यक्रम स्थल और कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा तथा एसपी शरद चौधरी ने बताया कि उप राष्ट्रपति के प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी आई है। उस हिसाब से कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी है।

कार्यक्रम का सफल आयोजन करवाने के लिए अधिकारियों को काम बांटने के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की चाक चौबंद व्यवस्था की जा रही है। जानकारी के अनुसार पूर्व में इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आने की भी चर्चा थी, लेकिन अभी तक सीएम का कोई भी कार्यक्रम प्रशासन के पास नहीं पहुंचा है।

युवक ने आत्महत्या की

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखण्ड के बरोनी थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना अधिकारी ओमप्रकाश ने बताया रविवार सुबह सूचना मिली कि मोतीलाल पुत्र किस्तुर चंद बैरवा ग्राम सिंदरा दल्ला की ढाणी ने मकान के कमरे में फांसी लगा ली जिस पर मय जाप्ता घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया व एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से तथ्य जुटाए गए। कमरे में एक मोबाइल, एक पर्स व फांसी के फंदे को जप्त किया गया। शव को सीएससी झिलाई पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपूर्द कर अनुसंधान शुरू किया गया।

- पुलिस व एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाये

सड़क हादसे में दो जनों की मौत, 11 घायल

निवाई, (निसं)। सोहेला पुलिया के समीप शनिवार की देर रात एक बोलेरो कार असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में दो जनों की मौत हो गई व 11 जने घायल हो गए।

बरोनी थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि शनिवार की देर रात जयपुर से श्योपुर मध्य प्रदेश जा रही बोलेरो कार पुलिया के डिवाइडर से टकरा गई। जिसमें सवार चालक अरमान खान (27) पुत्र हमीद खां निवासी मानपुर जिला श्योपुर मध्यप्रदेश व नफीस खान (27) पुत्र शाकिर अली निवासी सबलगढ जिला मुरैना मध्यप्रदेश की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल नजर बानो पत्नी नफीस निवासी संबलगढ़, अली हुसैन, आरव खान, फजर मोहम्मद, परवीन बानो, काहिरा, शकील खान, पूनम बानो, अनीशा बानो, आदिल खान, आमर बानो सभी निवासी गांव मानपुर थाना मानपुर को टोंक सआदत अस्पताल में भर्ती करवाया है, जहां सें गंभीर घायल नादरा बानो, अली हुसैन, काहिरा को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जयपुर रैफर कर दिया।

- जयपुर से श्योपुर मध्य प्रदेश जा रही बोलेरो कार पुलिया के डिवाइडर से टकरा गई थी

दो बुआ ने मिलकर की थी भतीजे की हत्या, गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के गांव छह ईईए में 13 साल के बच्चे की हत्या के मामले का पदमपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बच्चे की हत्या उसके पिता की दो चचेरी बहनों ने ही की थी। ये दोनों बहनें अपनी तीसरी बहन की शादी से नाराज थी। शादी रुकवाने के लिए ही इन दोनों ने मिलकर बच्चे की हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी दो सगी बहनों अंजू (24) और मोनिका (19) पुत्री श्यामलाल ओढ राजपूत को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 9 सितंबर सोमवार की रात करीब साढ़े 12 बजे पदमपुर थाना क्षेत्र के गांव छह ईईए के 13 साल के समर्थ का शव उसके घर के बाथरूम में मिला था। हत्या की आरोपी अंजू और मोनिका के पिता श्यामलाल और मृतक समर्थ के दादा साहबराम भाई हैं। अंजू और मोनिका की एक बहन पूजा को उनके चाचा संदीप उर्फ संदेश ने गोद ले रखा था। संदीप ने पूजा की शादी गांव जलौकी में तय की थी। इस फैसले से श्यामलाल का परिवार नाराज था। श्यामलाल शादी में शामिल नहीं हुआ और रामदेवरा चला गया। घर में उसकी बेटी आरोपी अंजू और मोनिका ही थी। ये दोनों नहीं चाहती थीं कि उनकी बहन की शादी गांव जलौकी में हो।

शादी रुकवाने के लिए दोनों ने एक दिन पहले ही संपर्क पोर्टल के जरिए पूजा के नाबालिग होने की शिकायत की थी। इस पर जांच हुई लेकिन शिकायत झूठी पाई गई। शिकायत पर भी जब शादी नहीं रुकी तो पूजा और मोनिका ने अपने पिता के भाई साहबराम के पोते समर्थ की हत्या करने का फैसला किया। दोनों ने सोचा कि यह हत्या होने से शादी रुक जाएगी। इसी के तहत योजना बनाकर दोनों की शादी से एक रात पहले जब परिवार के लोग लेडीज संगीत में व्यस्त थे तब समर्थ के घर गई। दोनों ने समर्थ को अकेला देखकर रस्सी से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। समर्थ मानसिक विमंदित होने के कारण ज्यादा विरोध नहीं कर पाया। लेडीज संगीत के दौरान म्यूजिक बजने से भी उसकी आवाज आसपास नहीं पहुंच पाई। वारदात करने के बाद दोनों शादी की रस्मों में शामिल हो गईं। बच्चे के गायब होने का पता लगने पर दोनों बहनें रिश्तेदारों के साथ बच्चे को ढूंढने का नाटक भी करती रही।

पुलिस ने जब जांच शुरू की तो डॉग स्कावॉयड की मदद से घटना स्थल का जायजा लिया। जायजा लेने के दौरान घटना में किसी नजदीकी के शामिल होने का अनुमान हुआ। इस पर पुलिस को संदेह हुआ कि संभवत: किसी ने शादी रुकवाने के लिए यह हत्या की है। इस पर उन लोगों की जानकारी जुटाई गई, जिन्होंने पूजा को नाबालिग बताते हुए शादी रुकवाने के लिए शिकायत की थी। यहां शिकायत करने वालों में अंजू और मोनिका का नाम सामने आने पर इनसे सख्ती से पूछताछ की तो दोनों ने माना कि हत्या उन्होंने ही की है।

- बहन की शादी रुकवाना चाहती थी दोनों बहनें, अपना जुर्म स्वीकार किया
- बालक समर्थ मानसिक विमंदित होने के कारण दोनों का ज्यादा विरोध नहीं कर पाया था

तीस लाख का अवैध डोडा चूरा से भरी कार जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रताप नगर थाना पुलिस ने तीस लाख रूपये का अवैध डोडा-चूरा से भरी कार को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रताप नगर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने शनिवार रात में देबारी टी पॉईंट पुलिया के उपर राष्ट्रीय राजमार्ग 76 पर पिण्डवाड़ा की तरफ नाकाबंदी शुरू की, जहां वाहनों की तलाशी के दौरान तेज गति से आ रही कार को इशारा किया लेकिन चालक तेज गति से कार लेकर भागा, जिस पर कांस्टेबल रामस्वरूप व नरेन्द्रसिंह की सूझबूझ से टायर ब्रस्ट कर दिया। इसके बावजूद चालक कार लेकर भागा जिसे पिछा कर पकड़ा, लेकिन चालक अंधेरे में कार छोड़ कर फरार हो गया। इसके बावजूद बदमाश की तलाश की लेकिन सुराग नहीं लगा। मौके पर जाकर देखा तो कार में रखे 21 प्लास्टीक के कट्टों में 439.14 किलोग्राम डोडा-चूरा भरा पाया गया। जिसकी बाजार कीमत करीब तीस लाख रूपये बताई जा रही है। पुलिस ने माल मय कार जब्त कर प्रकरण दर्ज कर लिया।

- चालक अंधरे में कार छोड़ कर फरार हो गया, तलाश करने पर भी सुराग नहीं लगा

प्रदेश के दो साहित्यकार चूरू में सम्मानित

जयपुर। देश की आज़ादी के दौरान स्थापित संस्था हिंदी साहित्य संसद, चूरू की ओर से हिन्दी दिवस के अवसर पर लोक संस्कृति शोध संस्थान नगर श्री, चूरू के सभागार में आयोजित समारोह में प्रदेश के दो लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकारों को उनकी अनवरत साहित्य साधना के लिए सम्मानित किया गया है।

हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी शर्मा खामोश ने बताया कि वर्ष 2024 का जनकवि प्रदीप शर्मा साहित्य सम्मान एवं पुरस्कार उदयपुर की साहित्यकार आशा पाण्डेय ओझा आशा और रामादेवी भागीरथ प्रसाद मरदा स्मृति कोश सम्मान एवं पुरस्कार जयपुर निवासी साहित्यकार लोकेश कुमार सिंह साहिल को प्रदान कर सम्मानित किया गया। दोनों सम्मानित साहित्यकारों को अतिथियों ने प्रत्येक को ग्यारह हजार नकद राशि, श्रीफल, पदक, सम्मान-पत्र, स्मृति-चिन्ह तथा शॉल अर्पित कर अलंकृत किया गया। जयपुर के डॉ. भवानी शंकर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह के अवसर पर एक काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में लोकेश कुमार सिंह साहिल मुख्य अतिथि और आशा पांडेय ओझा आशा विशिष्ट अतिथि रही। इन तीन विभूतियों के अतिरिक्त हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा ख़ामोश ने मंच साझा किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंचस्थ जन द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा, चूरू के जनकवि स्व. प्रदीप शर्मा, स्व. भागीरथ प्रसाद मरदा एवं रामादेवी मरदा के चित्रों के समक्ष पुष्प अर्पित कर और अगरबत्ती जलाकर किया गया। दो छोटी बच्चियों तर्जनी सोनी और युक्ति सोनी द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने के बाद समारोह विधिवत शुरू हुआ। समारोह में चिंतक और विचारक प्रो कमल कोठरी, समाज सेवी गोपीराम हारित, सामाजिक कार्यकर्त्ता और वरिष्ठ समीक्षक चंद्रप्रकाश ढंढ, संस्था के सचिव विजय कांत शर्मा, एडीजे मनीषा शर्मा, व्याख्याता तनूजा शर्मा, रोशन शर्मा, अन्नतराम सोनी सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी और प्रमुख नागरिक शामिल हुए।

हिंदी साहित्य संसद, चूरू की ओर से हिन्दी दिवस पर प्रदेश के दो साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

बनास नदी में डूबे युवकों के शव निकाले

बाइक की धुलाई व नहाने के लिए बनास नदी पर गये, जहां दोनों डूब गये

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर बनास नदी में डूबे दोनों युवकों के शव रविवार को एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद ढूंढ निकाले।

हमीरगढ़ थाना प्रभारी दिलीप सिंह के अनुसार ब्यावर जिले के शेखावास थाने के बालियावास निवासी राहुल (16) पुत्र रूपसिंह रावत व विजेंद्र सिंह (19) पुत्र मदन सिंह रावत अभी कान्याखेड़ी स्थित पाइप फैक्ट्री में रिश्तेदार के पास रह रहे थे। ये दोनों युवक रिश्ते में भाई हैं, जो शनिवार को बाइक की धुलाई व नहाने के लिए गांव के पास ही बनास नदी में गये, जहां ये दोनों डूब गये। सूचना पर हमीरगढ़ पुलिस जाप्ते के साथ ही एसडीआरएफ टीमें मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। एसडीआरएफ ने लगातार दूसरे दिन रविवार को तलाश जारी रखते हुये सुबह करीब साढ़े नौ बजे राहुल, जबकि दोपहर करीब तीन बजे गजेंद्र का शव घटनास्थल से 200 मीटर की दूरी से ढूंढ निकाला। दोनों शवों को मुख्यालय स्थित एमजी अस्पताल भिजवा दिया गया। मृतक राहुल हमीरगढ़ के राजकीय स्कूल में 11 वीं में पढ़ता है, जबकि विजेंद्र गंगरार क्षेत्र की एक यूनिर्वसिटी में पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने दोनों युवकों के शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द कर मामले की जांच शुरू की है।

- एसडीआरएफ ने दूसरे दिन रविवार को तलाश जारी रख शवों को निकाला

एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शवों को नदी में से निकाला।

नदी में कूदी महिला का सुराग नहीं लगा

24 घंटे से ज्यादा समय बीतने के बाद भी महिला का अभी पता नहीं चला

करौली, (निसं)। शनिवार देर रात करौली-हिंडौन मार्ग स्थित नए पांचना पुल से एक महिला नदी में कूद गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और महिला की नदी में तलाश शुरू की। बाद में देर रात के चलते तलाशी अभियान रोक दिया। रविवार प्रात: एक बार फिर सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम पांचना नदी पहुंची तथा महिला की नदी में तलाश शुरू की है। 24 घंटे बीतने के बाद भी महिला का अभी पता नहीं चल सका है।

करौली थाना अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि रुक्मिणी मीणा पत्नी ओमप्रकाश निवासी अरोरा अपनी मां एवं बहन के साथ करौली में रहती है। बताया जा रहा है कि महिला शनिवार रात अपनी मां और बच्चे के साथ अंजनी माता मंदिर के पास पहुंची, जहां पांचना नदी पर बने नए पुल पर अचानक महिला ने अपनी गोद में से बच्चा और मोबाइल फोन अपनी मां को दे दिए तथा नदी में छलांग लगा दी। घटना से महिला की मां स्तब्ध रह गई। उन्होंने शोरगुल कर आसपास मौजूद लोगों को बुलाया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई। नदी में महिला की तलाश शुरू की। जानकारी मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम भी मौके पर पहुंच गये जहां दिन भर चले रेस्क्यू पर नजर बनाये रखी लेकिन रात्रि हो जाने के कारण रेस्क्यू रोकना पड़ा। सोमवार को एक बार फिर महिला की पानी में तलाश की जायेगी।

करौली के पांचना बांध के पानी में गिरी महिला की सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीम ने तलाश की।

''लोकतंत्र में संवाद महत्वपूर्ण''

भारतीय युवा संसद में बोले राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि लोकतंत्र में संवाद का सर्वाधिक महत्त्व हैं। इसी से निर्णय संभव होते हैं, सहमति बनती है और लोकतंत्र सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र विश्वभर में सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं है बल्कि यह संवाद से लोक कल्याणकारी निर्णय लेने वाला भी सबसे बड़ा राष्ट्र है। उन्होंने भारत को

- **भारत में लोकतंत्र की जगह प्राचीन काल से ही मजबूत : देवनानी**

विश्व का सबसे बड़ा युवा देश बताते हुए कहा कि युवा शक्ति से ही भारत भविष्य का सबसे विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने युवाओं को ''विकसित भारत 2047'' के लिए जुटने का आव्हान करते हुए कहा कि भविष्य के विकास रथ के सारथी वही रहेंगे।

बागड़े रविवार को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के सभागार में ''भारतीय युवा संसद'' के कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संवाद से सुस्वाद होता है और सुस्वाद से मैत्री होती है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग शक्ति और साहस का पुंज होता है। आजादी से पहले पूरे 90 साल तक युवाओं ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। अनंत कांहेरी, खुदीराम बोस आदि युवा थे, तभी से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष प्रारंभ कर दिया था। उन्होंने युवाओं की शक्ति, दूसरे विश्व युद्ध और ब्रिटिश संसद में लोकशाही चुनाव कानून पारित करने की चर्चा करते हुए कहा कि युवा भागीदारी ने देश की आजादी में महती भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्र विकास के नए आयाम स्थापित किए जाने, अर्थव्यवथा को मजबूत करने और देश को ज्ञान की दृष्टि से विश्वभर में अग्रणी किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल बागडे ने बागड़े रविवार को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के सभागार में ''भारतीय युवा संसद'' के कार्यक्रम में ''लोकतंत्र की विरासत'' पुस्तक का लोकार्पण किया। इस दौरान उनके साथ विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और जयपुर ग्रेटर की मेयर डॉ.सौम्या गुर्जर मौजूद थीं।

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विश्व लोकतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन काल से ही बहुत मजबूत रही हैं। यहां परिवार, समाज में आज भी लोकतंत्र की जड़ें जीवंत हैं। उन्होंने कहा कि युवा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करें। सहिष्णुता में जो कमी आ रही है, उस पर ध्यान दें। देवनानी ने कहा कि हमें राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने होंगे। देवनानी ने कहा कि युवाओं में संसदीय परंपराओं और नियमों का प्रसार होना आवश्यक है। युवाओं में चुनौतियों का मुकाबला करने की शक्ति आए, ऐसा वातावरण बनाया जाना भी जरूरी है। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं द्वारा मेज़ थपथपाने को देखकर कहा कि यह युवाओं के लोकसभा, विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रारंभ है। उन्होंने अधिकारों के साथ साथ युवाओं को कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिक सहभागिता अधिक से अधिक बढ़े, इसमें युवा आगे आएं। जवाबदेही रखते हुए हम लोकतंत्र को और मजबूत करें। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादिर ने लोकतंत्र को संवाद की संसद बताते हुए राष्ट्र में युवाओं की सहभागिता को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि युवा संसद का अर्थ है, युवाओं में संवाद बना हुआ है। उन्होंने राजस्थान मे इसे महत्वपूर्ण बताया। आरंभ में जयपुर ग्रेटर की मेयर डा. सौम्या गुर्जर ने स्वागत उद्बोधन दिया। ''भारतीय युवा संसद'' के आशुतोष जोशी ने युवा संसद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने ''लोकतंत्र की विरासत'' पुस्तक का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में 24 राज्यों से आए युवाओं ने भागीदारी की।

सर्वहित सर्वोपरि है वैश्य समाज का मूलमंत्र : बिरला

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार को अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। यहां श्यामनगर स्थित प्रतिष्ठा बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्पीकर बिरला ने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति में समाज की बड़ी भूमिका रही है। आजादी के संघर्ष में सक्रिय भूमिका के साथ तो कभी भामाशाह के रूप में क्रांतिकारियों का सहयोग के रूप में समाज ने अपना योगदान दिया। समाज में सभी के हित के लिए कार्य करने की संस्कृति वैश्य समाज की पहचान भी है और ताकत भी है। सम्मेलन में विकसित भारत 2047 के विजन में वैश्य समाज की भूमिका पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि देश तेजी से बदल रहा है। भारत अब केवल बाजार नहीं बल्कि दुनिया का ग्रोथ इंजन है। वैश्य समाज की पहचान व्यापारिक क्षमता, उद्यमिता से भी है। आर्थिक समृद्धि के स्तंभ के रूप में समाज को आत्म निर्भर भारत की यात्रा में सकारात्मक योगदान देना होगा।

बिरला ने कहा कि वैश्य समाज ने हमेशा सेवा व समर्पण से काम किया। ये समर्पण का भाव हमें हमारे पूर्वजों से मिला है। हमारे पूर्वजों ने अपरिग्रह के सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने रैवासा पीठाधीश्वर राघवाचार्य को श्रद्धांजलि दी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सीकर के दांतारामगढ़ क्षेत्र के रैवासा धाम में अग्र पीठाधीश्वर राघवाचार्यजी के देवलोक गमन पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शर्मा रैवासा के नए पीठाधीश्वर राजेन्द्रदासजी महाराज की चादरपोशी कार्यक्रम में शामिल हुए तथा माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर महाराज श्री से आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद धनश्याम तिवाड़ी ने मुख्यमंत्री को रैवासा धाम के प्राचीन इतिहास के बारे में जानकारी भी दी। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, विधायक गोवर्धन वर्मा, सुभाष मील, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती सहित साधु-संत व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भजनलाल शर्मा से ओम बिरला की मुलाकात

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके जयपुर स्थित आवास पर भेंट की। इस दौरान दोनों के दोनों के बीच राजस्थान के सन्दर्भ में विविध विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त स्पीकर बिरला ने राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने भी शिष्टाचार भेंट की।

युवाओं को उपभोक्ता आंदोलन से जोड़ना आवश्यक : माथुर

जयपुर । उपभोक्ता आंदोलन में आज भी कसावट की जरुरत है। जब तक उपभोक्ता संरक्षण में यूथ की भागीदारी नहीं बढाई जाएगी, तब तक बदलाव नहीं देखा जा सकता। आज का युवा तकनीक को साथ में लेकर चलने वाला है और वो कंज्यूमर प्रोटेक्शन में रिसर्च वर्क कर सकता है। ये बात जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर तृतीय के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने कही। वे रविवार को उपभोक्ता संस्था केन्स के 262वें राज्य स्तरीय उपभोक्ता संवाद में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। 'उपभोक्ता संरक्षण की भावी रणनीति' विषय पर आयोजित संवाद में माथुर ने कहा कि आज उपभोक्ताओं को शिकायत करने की आदत डालनी चाहिए। उन्हें सोशल मीडिया का उपभोक्ता संरक्षण में इस्तेमाल करना भी आना चाहिए।

संवाद की अध्यक्षता करते हुए कंज्यूमर कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया 'सीसीआई' के नेशनल चेयरमैन डॉ. अनन्त शर्मा ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण न सिर्फ उपभोक्ताओं को सशक्त करता है, बल्कि अच्छे व्यवसायियों के लिए भी मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण में कार्य कर रहे आंदोलनकारियों को विशेषज्ञता की जरुरत है ताकि वे उपभोक्ताओं की सही तरीके से मदद कर सकें। संवाद में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए सीसीआई की नेशनल प्रेसिडेंट गुजरात की प्रीती पण्ड्या ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण को भारत के ग्रास रूट तक पहुंचाना जरूरी है ताकि हर एक उपभोक्ता के अधिकारों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि नए भारत की परिकल्पना संरक्षित और सुरक्षित कंज्यूमर से ही हो सकती है। सीसीआई के कार्यकारी अध्यक्ष और सीईओ चेन्नई के एम. सेल्वराज ने कहा कि राजस्थान उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में दूसरे राज्यों के लिए एक मॉडल बनकर उभरा है। यहां 15 सालों में बहुत काम हुआ संवाद को केन्स के उपाध्यक्ष संजय खण्डेलवाल, सीसीआई के वरिष्ठ महासचिव वी.पी. हलचल, महासचिव भूपसिंह पाल, उपाध्यक्ष जे. सेल्वम, सीसीआई प्रदेश अध्यक्ष मुकेश वैष्णव, सीपीटी के अध्यक्ष राकेश खण्डेलवाल ने भी संबोधित किया। मंच संचालन आशा सक्सेना ने किया।

राधेश्याम शर्मा अध्यक्ष, लक्ष्मी नारायण यादव मंत्री बने

जयपुर। भारतीय किसान संघ की बैठक रविवार को भारतीय विद्या निकेतन स्कूल रामपुरा डाबड़ी में आयोजित की गई। इसमें जयपुर जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

- **भारतीय किसान संघ की जयपुर ज़िले की कार्यकारिणी का गठन**

किसान संघ के संभाग प्रचार प्रमुख डॉ.लोकेश कुमार चंदेल ने बताया कि बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष दलाराम बटेसर ने कहा है कि किसानों को अपना भविष्य स्वयं को तय करना होगा क्योंकि किसान का भविष्य नेता तय नहीं करेंगे। हमें ही अपनी समस्याओं की आवाज़ उठानी होगी। प्रांत महामंत्री डा साँवरमल सोलेट ने कहा कि किसानों को ग्राम समितियों की नियमित बैठक करनी चाहिए। गांवों की समस्याओं का निपटारा गाँव में ही करना होगा। पटवारी, ग्राम सेवकों के चंगुल से किसानों को बचाना है। गाँव में आज युवा भ्रमित होकर नशे का आदी होते जा रहे हैं, उसका निदान हमें गाँव समितियों में बैठकर करना होगा। इसके पूर्व जयपुर ज़िले की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें जिलाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, मंत्री लक्ष्मी नारायण यादव को बनाया गया। कार्यकारिणी में बगरंगलाल शर्मा तिलपट्टी, तेजाराम सोढ, जगदीश गेना, रामनिवास शर्मा, हरफूल निठालवाल, भगवान बिजारणिया, बोदूराम निठारवाल, बनवारी योगी, ओमप्रकाश लंबा, गोपाल बुनकर, ओम प्रकाश शर्मा, कानाराम दादरवाल, मुकेश शर्मा, यशोदा मीणा, यमुना दत्त शर्मा, माम राज, हनुमान, गोपाल, रामेश्वर को स्थान दिया गया है। इनके कार्यों का विभाजन बाद में किया जाएगा। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष छोगाराम सैनी, प्रांत अध्यक्ष कालूराम बाँगड़ा, प्रांत युवा प्रमुख गोपाल सिंह, प्रदेश कार्यालय मंत्री करण सिंह यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा फाउंडेशन का 26 से होगा हिंदू सेवा मेला

हिंदू सेवा मेले के लिये भूमि पूजन व भारत माता की पूजा अर्चना करके प्रचार रथों को कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक कालीचरण सराफ एवं संतों द्वारा भगवा झंडी दिखाकर रवाना किया।

जयपुर। हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा फाउंडेशन द्वारा आगामी 26 -30 सितंबर में होने जा रहे चतुर्थ हिंदू सेवा मेले का आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान में भूमि पूजन एवं प्रचार रथ यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रदेश सचिव सोमकांत शर्मा ने बताया कि भूमि पूजन व भारत माता की पूजा अर्चना करके प्रचार रथों को कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, विधायक कालीचरण सराफ एवं संतों द्वारा भगवा झंडी दिखाकर रवाना किया।

जयपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 से 30 सितंबर के बीच हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला का आयोजन होने जा रहा है। यह मेला न केवल हिंदुत्व का आधार अध्यात्म और सेवा की भावना को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि विभिन्न प्रतीकात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को उजागर करता है। मेले का उद्देश्य आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठन द्वारा सामाजिक में किया जा रहे हैं। सेवा कार्यों का प्रस्तुतिकरण कर जन जन को सेवा कार्यों से अवगत कराना है । हिंदू सेवा मेले द्वारा वन एवं वन्य जीव संरक्षण पर्यावरण सुरक्षा सहित परिवार एवं मानवीय मूल्य नारी सम्मान और देशभक्ति भावना जगाने का कार्य किया जाता है। मेले में प्रतिदिन इन अलग अलग विषयों पर प्रतीकात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिससे सभी में इस भावना का विकास हो। कार्यक्रम में जयपुर उपमहापौर पुनीत कर्णावत बीकानेर उप महापौर राजेंद्र पवार एचएसएस फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बापना कोषाध्यक्ष दिनेश पितलिया उपाध्यक्ष शीला अग्रवाल मंजूषा कन्हैया लाल बेरवाल ने भी अपने अपने विचार रखे।

सहकारिता हमारी संस्कृति : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सहकारिता भारत की पुरातन संस्कृति है। हम सभी आपसी सहयोग से राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। सहकारिता आंदोलन भी राष्ट्र प्रथम की भावना के अनुरूप कार्य करता है।

देवनानी ने यहां चांदपोल बाजार में दी राजस्थान अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के नए भवन का फीता काट कर उद्घाटन किया। देवनानी ने कहा कि बैंक का नया भवन शहर के बाजार में होने से यहां के लघु उद्यिमयों को इसका फायदा त्वरित गति से मिल सकेगा। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक मौजूद थे। समारोह में राम प्रसाद, जीतू वर्मा, डॉ. निहारिका रायजादा और बैंक के अध्यक्ष कृष्ण कुमार टाक भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि यह बैंक सहकारिता क्षेत्र के सबसे पुराने बैंकों में से है। जो वर्ष 1961 से कार्य कर रहा है। बैंक वर्ष 2010 से कम्प्यूटरीकृत है। राज्य के सहकारी क्षेत्र के बैंकों में यह पहला बैंक है, जिसने कोर बैंकिंग सॉल्यूशन पर कार्य करना प्रारम्भ किया। बैंक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम क्षेत्र के उद्यमों के लिए ऋण प्रदान कर निम्न आय वर्ग के उद्यमियों को सहायता प्रदान करता है। बैंक में स्वयं सहायता समूहों के लिए भी राज्य सरकार की योजनाओं के तहत खाते खोले जाते हैं।

भाजपा कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक पार्टी : मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में आज नागौर के खींवसर विधानसभा में उपचुनावों को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, सह प्रभारी विजया राहटकर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सीआर चौधरी, ज्योति मिर्धा, नारायण पंचारिया, महामंत्री जितेंद्र गोठवाल और राजस्थान सरकार के मंत्री सुरेश रावत ने कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

जयपुर/नागौर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में आज नागौर के खींवसर विधानसभा में उपचुनावों को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, सह प्रभारी विजया राहटकर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सीआर चौधरी,

- **'भाजपा के सदस्यता अभियान के साथ सेवा पखवाडे में कार्यकर्ता बढ़-चढ़ कर निभाएं सहभागिता'**

ज्योति मिर्धा, नारायण पंचारिया, महामंत्री जितेंद्र गोठवाल और राजस्थान सरकार के मंत्री सुरेश रावत ने कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

राठौड ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित वो पार्टी है जहां कार्यकर्ता को सर्वोपरि माना जाता है। भाजपा में ''बूथ जीते को चुनाव जीते'' नीति पर कार्य करते हुए आमजन को जोड़ा जाता है। भाजपा अपने बूथ मैनेजमेंट को मजबूत करने का कार्य कर रही है। भाजपा का सदस्यता अभियान भी इसी बूथ प्रबंधन को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की रीति और नीति से आमजन को अवगत कराते हुए भाजपा सरकार की योजनाओं को समझाना चाहिए और मतदाताओं को पार्टी से जोड़ना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने बूथ व मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं से चुनावी चर्चा करते हुए खींवसर उपचुनाव की जीत को लेकर रणनीति बनाई।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे उपचुनाव की तैयारियों में जुट जाए। भाजपा में अनुशासन सर्वोपरि है, यहां कार्यकर्ता विचार और संगठन के अनुशासन का अनुसरण अवश्य करें। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रयत्नों से सरकार के काम को घर-घर पहुंचाकर उनको सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करें। भाजपा में कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाता है और कार्यकर्ता परिवार के भाव के साथ काम करता है। उपचुनाव में कार्यकर्ताओं को एक जुट होकर पार्टी के लिए काम करने की अपील की।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि भाजपा के सदस्यता अभियान के लिए कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर भजनलाल सरकार की योजनाओं को बताना है और आमजन को सदस्यता ग्रहण करवानी है। भाजपा में सदस्य जोड़े नहीं जाते, बल्कि भाजपा परिवार का सदस्य बनाया जाता है। खींवसर संगठनात्मक बैठक में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ जिला स्तरीय पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉक्टर्स फुटबॉल चैंपियनशिप शुरू

जयपुर । एसएमएस मेडिकल कॉलेज के आर.डी.ग्राउंड में 10 दिवसीय डॉक्टर्स फुटबॉल चैंपियनशिप सीजन 2 का यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने शुभांरभ किया। अविनाश गहलोत ने टीम कैप्टनस को स्पोर्ट्स बैंड पहनाकर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सकों के इस खेल आयोजन के लिए आयोजको को बहुत साधुवाद। क्यूंकि डॉक्टर्स के ऊपर बहुत वर्क प्रेशर रहता है, वह अपनी व्यस्त दिनचर्या में से खुद के और परिवार के लिए समय निकाल सके, उस दिशा में यह अच्छा प्रयास है।

ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. अंजनी कुमार शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप में राजस्थान, गुजरात, एमपी, उत्तरप्रदेश और दिल्ली के मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की टीमें भाग ले रही हैं।

युवा किसानों को विदेशों में प्रशिक्षण दिलाएगी सरकार

जयपुर । प्रदेश के 100 युवा एवं प्रगतिशील किसान प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में किसानों के हितो में निरंतर फैसले ले रही राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा में नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम शुरू करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पहले चरण में इन प्रगतिशील युवा किसानों को उन देशों में भेजा जाएगा जहां कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में नवाचार किए जा रहे हैं एवं उच्च तकनीक के प्रयोग से कम जगह और काम लागत में अधिक फसल उत्पादित की जा रही है।

नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम के तहत चयन के लिए जो मापदंड तय किए गए हैं, उनमें सामान्य कृषक के पास कम से कम एक हेक्टेयर और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व महिला कृषकों के पास 0.5 हेक्टर कृषि भूमि का भूस्वामित्व हो, पिछले 10 वर्षों से लगातार खेती कर रहा हो, कृषक द्वारा उच्च कृषि तकनीक जैसे संरक्षित खेती, सूक्ष्म सिंचाई, मल्चिंग, सौर ऊर्जा पंप, ड्रोन, फर्टिगेशन, ऑटोमेशन, फार्म पोंड, डिग्गी अपनाई जा रही हो आदि शामिल है।

इसी प्रकार डेयरी क्षेत्र चयनित होने वाले युवा दुग्ध उत्पादक या पशुपालक के लिए जो मापदंड तय

- **25 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे**

किए गए हैं उनमें वास्तविक रूप से कम से कम 20 गाय-भैंस की डेयरी या 10 ऊँट या 50 भेड़-बकरी का स्वामित्व रखता हो, पिछले 10 वर्षों से डेयरी या पशुपालन पेशे से जुड़ा हो, उच्च पशुपालन या डेयरी तकनीक उपयोग करता हो, डेयरी क्षेत्र में जिला या राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए चयन किया गया हो तथा जिसकी अपने क्षेत्र में प्रगतिशील पशुपालक के रूप में पहचान हो। इन मापदंडों को पूरा करने वाले युवा प्रगतिशील कृषक अपने नजदीकी ई-मित्र केन्द्र के माध्यम से राजकिसान साथी पोर्टल पर 25 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम से संबंधित जानकारी के लिए युवा कृषक कृषि, उद्यान अथवा पशुपालन विभाग में संपर्क कर सकते हैं। नॉलेज इनहांसमेन्ट प्रोग्राम के तहत पहले चरण में चयनित 100 युवा किसानों में से 80 कृषि क्षेत्र तथा 20 डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र से होंगे। कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए आवेदन करने वाले कृषकों की उम्र 55 वर्ष से कम हो साथ ही, वैध पासपोर्ट होना भी आवश्यक है।

3200 वर्गमीटर भूमि से हटाया अतिक्रमण

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने 3200 वर्गमीटर जेडीए की बेशकीमती जमीन से अवैध कब्जा और अतिक्रमण हटवाया है। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जवाहर सर्किल क्षेत्र में होटल मैरियट के पीछे इस बेशकीमती जमीन पर अतिक्रमणकर्ताओं ने थड़ियां और 3 झोपड़ी लगाकर कब्जा कर लिया था। जेडीए प्रशासन ने अतिक्रमियों को नोटिस भी दिया था, रविवार को ध्वस्तीकरण कार्रवाई की।

ब्रेनडेड सावित्री देवी ने दिया 3 लोगों को जीवन का उपहार

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में अंगदान एवं प्रत्यारोपण का कार्य मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। विगत एक माह में ही प्रदेश में तीन व्यक्तियों के अंगदान हुए हैं। सवाई मानसिंह अस्पताल में शनिवार को हुए अंगदान से तीन लोगों को नया जीवन मिला।

सवाई मानसिंह अस्पताल के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि अलवर जिले के टहला निवासी 49 वर्षीय सावित्री देवी सड़क हादसे में गंभीर घायल हो गई थीं। उन्हें 10 सितम्बर को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

चिकित्सकों के लगातार प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। ब्रेन डेड होने पर अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित किया गया। परिजनों की सहमति एवं साहसिक निर्णय उपरांत सावित्री के अंगदान की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

सावित्री की दोनों किडनी एवं लीवर सवाई मानसिंह अस्पताल में ही उपचाराधीन तीन रोगियों को प्रत्यारोपित कर उन्हें नया जीवन प्रदान किया गया। अस्पताल प्रशासन ने अंगदान के मानवीय निर्णय के लिए सावित्री के परिजनों का आभार व्यक्त किया और सम्मानपूर्वक पार्थिव देह उन्हें सौंपी। अंगदान की प्रक्रिया में न्यूरोसर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनीष अग्रवाल एवं एनेस्थिसिया विभाग में प्रोफेसर डॉ. चित्रा सहित सोटो की टीम की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

अजमेर में चोरों को हौंसले बुलंद, दो थाना क्षेत्रों में लाखों की चोरी

अलवरगेट थाना क्षेत्र में अज्ञात नकबजनों ने नारेली जैन मंदिर के पास चार दुकानों के ताले तोड़कर हजारों के माल पर हाथ साफ कर दिया

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में चोरों को हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। चोरों ने दो थाना क्षेत्रों में चोरी की वारदात अंजाम दी।

अलवरगेट थाना क्षेत्र में अज्ञात नकबजनों ने नारेली जैन मंदिर के पास चार दुकानों के ताले तोड़ हजारों के माल पर हाथ साफ कर दिया, तो वहीं देवनारायण मंदिर का दानपात्र भी चुरा ले गए। मांगलियावास थाना क्षेत्र के गांव एक मकान में चोरी की वारदात अंजाम देकर लाखों के जेवरात सहित 45 हजार रुपए की नकदी चुरा ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीओ साउथ ओमप्रकाश ने बताया कि बीती देर रात अलवर गेट थाना क्षेत्र में करीब 12 से 3 बजे अज्ञात नकबजनों ने चोरी की वारदात अंजाम दी है। चोरों ने जैन मंदिर के पास चार दुकानों के ताले तोड़े, लेकिन तीन दुकानों से सामान चोरी किया। एक मेडिकल की दुकान के गल्ले में रखी नगदी, टेलर की दुकान से कपड़ा और सब्जी भंडार की दुकान से नगदी पर हाथ साफ किया। चोर जाते-जाते देवनारायण मंदिर के दानपात्र को भी चुरा ले गए। मंदिर से कुछ दूरी पर खाली दानपात्र पुलिस को मिला है। सोमवार सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस व एफएसएल टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। अलवरगेट थाना पुलिस दुकानों और नेशनल हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। ओमप्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में तीन युवक मोटर साइकिल पर सीसीटीवी कैमरों में नजर आ रहे हैं, जिनकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस ने खेत में पड़े बक्से की जानकारी ली।

- मांगलियावास थाना क्षेत्र के गांव एक मकान में चोरी की वारदात अंजाम देकर लाखों के जेवरात सहित 45 हजार रुपए की नकदी चुरा ले गए

वहीं मांगलियावास थाना क्षेत्र के ब्रिक्चियावास में बीती रात चोरों ने मकान में चोरी की वारदात अंजाम दे डाली। कमरे में सो रहे परिवार के लोगों को बाहर से बंद किया और पास के कमरे के ताले तोड़कर लाखों के जेवरात व नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। पीड़ित शिवजीराम पुत्र गोपाल मेघवंशी ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह करीब चार बजे वह उठा तो देखा कि उसके कमरे का दरवाजा बाहर से बंद है। मां को आवाज लगाई तो दरवाजा खोला। बाद में देखा तो पता चला भाई का दरवाजा भी बाहर बंद था, जिस उसने खोला। पास ही कमरे को देखा तो उसका ताला टूटा हुआ था, अन्दर सारा सामान बिखरा पड़ा था। जब कमरे में रखे सोने की कंठी ढाई तोले की, एक नथ एक तोला, टोप्स व अंगूठी एक तोला, मंगलसूत्र एक तोला, सोने की रखड़ी एक तोला, चांदी की कनकती आधा किलो, तीन पायजेब की जोड़ी, सोने का हार सहित अन्य जेवरात सहित करीब 45 हजार गायब थे। सभी सामान बक्से में रखा था और कमरे के ताले लगाए थे।

पीड़ित ने बताया कि अज्ञात चोर बक्से को पास ही खेत में पटक गए। सूचना के बाद भाजपा नेता गोपाल लाल गुर्जर सहित अन्य ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना के बाद मांगलियावास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

बिलाड़ा का जसवंत सागर बांध छलका

बांध ओवरफ्लो होने के बाद लोग़ बांध देखने पहुंचे।

जोधपुर, (कासं)। इस बार के मानसून सीजन में ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई है। इसके चलते प्रदेश के अलग-अलग जिलों के बांध में भी पानी की अच्छी खासी आवक हुई। जोधपुर जिले के बिलाड़ा के जसवंत सागर बांध का गेज पूरा होने की वजह से बांध से पानी छलकने लगा है। चादर चलने की वजह से यहां पर बड़ी संख्या में लोग आ गए हैं। इसके चलते मेले सा माहौल नजर आ रहा है। बांध की जल क्षमता 26.50 फीट है। इसके पूरा होने के बाद अब बांध छलकने लगा है। ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की टीम में भी मुस्तैद है।

- जसवंत बांध की जल क्षमता 26.50 फीट है, इसके पूरा होने के बाद बांध छलका

2007 के बाद अब एक बार फिर से बांध पूरी तरह से भर चुका है।

गौरतलब है कि इस बांध के पानी से भावी, हरियाडा, मालकोसनी, बड़ी कला, बड़ी खुर्द, गुजरावास, बाला, पिचियाक, लांबा सहित बिलाड़ा के आसपास के क्षेत्र में जमीन पर सिंचाई की जाती है। इस बांध का 1890 में निर्माण शुरू किया गया था करीब 10 साल बाद 1899 में यह बनकर तैयार हुआ। उस समय इसकी लागत 9 लाख 50 हजार आई थी। इसकी भराव क्षमता 26.50 फीट है। बांध का कैचमेंट एरिया 3365 स्क्वेयर किलोमीटर है। इसकी लंबाई करीब 11.20 किलोमीटर है। आईएसबीएन से सिंचाई के लिए दो नहरें निकलती हैं। इसमें प्रथम पड़ासला नहर है, जिसकी लंबाई 24 किलोमीटर है। इसके अलावा दो छोटी नहर मालकोसनी 6.3 किलोमीटर और होसलपुर डेढ़ किलोमीटर निकलती है।

स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान इतिहासकार प्रताप गोपेन्द्र को

चित्तौड़गढ़। साहित्य संस्कृति के संस्थान संभावना द्वारा स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान की घोषणा कर दी गई है। संभावना के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने बताया कि वर्ष 2024 के लिए स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान

- प्रताप गोपेन्द्र को उनकी चर्चित कृति चन्द्रशेखर आज़ाद : मिथक बनाम यथार्थ के लिए सम्मान दिया जाएगा

प्रयागराज निवासी प्रसिद्ध लेखक प्रताप गोपेन्द्र को उनकी चर्चित कृति चन्द्रशेखर आज़ाद : मिथक बनाम यथार्थ के लिए दिया जाएगा। व्यास ने बताया कि गोपेन्द्र ने इस पुस्तक में अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद के जीवन के ज्ञान-अज्ञात अनेक पक्षों के आलोक में अध्ययन किया है जिससे महान स्वतन्त्रता सेनानी और क्रन्तिकारी आज़ाद को नयी पीढ़ी और गहराई से जान समझ सकेगी।

वाराणसी निवासी वरिष्ठ हिंदी साहित्यकार प्रो काशीनाथ सिंह, जयपुर निवासी वरिष्ठ लेखक डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल और धौलपुर निवासी इतिहासकार प्रो. रचना मेहता की चयन समिति ने सर्वसम्मति से इस कृति को सम्मान के योग्य पाया। काशीनाथ सिंह ने कहा कि प्रताप गोपेन्द्र उन युवा लेखकों में हैं जो इतिहास और साहित्य में आवाजाही कर अपनी कृतियों को जनोपयोगी बना देते हैं। उन्होंने अपनी किताब में नये तथ्यों को जुटाने का महत्त्वपूर्ण उद्यम किया है जिससे आज़ाद जैसे क्रन्तिकारी के जीवन पर नयी रौशनी पड़ती है। इतिहासविद् प्रो. रचना मेहता ने कहा कि हिन्दी भाषा माध्यम में लिखी जाने वाली इतिहास की पुस्तकों में शोध की कमी की शिकायत करने वालों को प्रताप गोपेन्द्र की यह कृति महत्त्वपूर्ण और मूल्यवान लगेगी। यह कृति गहरे शोध और उत्तम भाषा का अनूठा संगम है।

व्यास ने बताया कि स्वतन्त्रता सेनानी रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति सम्मान में कृति के लेखक को ग्यारह हजार रुपये, शॉल और प्रशस्ति पत्र भेंट किया जाता है। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ में दिसम्बर माह में आयोज्य समारोह में विगत वर्षों के सम्मानित लेखकों के साथ गोपेन्द्र को आमंत्रित किया जाएगा। संभावना द्वारा स्थापित इस पुरस्कार के संयोजक डॉ. कनक जैन ने बताया कि राष्ट्रीय महत्त्व के इस सम्मान के लिए इस वर्ष स्वतन्त्रता आन्दोलन से सम्बंधित कृतियों की अनुशंसा माँगी गई थी जिसमें देश भर से कुल बाइस कृतियां प्राप्त हुई थीं। प्राप्त कृतियों के मूल्यांकन के आधार पर चयन समिति ने अपनी अनुशंसा में चन्द्रशेखर आज़ाद : मिथक बनाम यथार्थ को श्रेष्ठतम कृति घोषित किया।

इतिहासकार प्रताप गोपेन्द्र

युवती का शव मिला

करौली, (निसं)। करणपुर घाटी में युवती का नग्न अवस्था में शव मिलने से सनसनी फैल गई। बच्ची ने बताया कि आरोपियों ने मां की हत्या कर खाई में फेंका और इसके बाद बेटी से मारपीट कर उसका गला दबाकर मृत जानकर खाई मे फेंक दिया। करीब 20 घंटे बाद बच्ची जैसे-तैसे खाई से बाहर निकल कर आई लेकिन भयभीत होने के कारण कुछ ना बता सकी।

ग्रामीणों ने उसे परिजनों से बिछड़ा जानकर अपने पास रखा, लेकिन रविवार प्रात: पुलिस और ग्रामीणों द्वारा दिलासा देकर पूछने के बाद बच्ची ने बताया कि उसकी मां को उसके पिता और जीजा ने मारा और फिर करणपुर घाटी स्थित खाई में फेंक दिया। बच्ची ने अपना नाम अमृता मां का वर्षा और पिता का नाम राजेश बताया। बच्ची अपना निवास स्थान का नाम बनगांव बता रही है लेकिन जिला और राज्य का नाम नहीं बता पा रही है। बालिका से मिली जानकारी के अनुसार 13 सितम्बर की रात को उसके पिता और जीजा ने की उसकी मां की हत्या की है। बालिका के साथ भी मारपीट कर गला दबाया और फिर खाई में फेंक दिया। कल शाम बालिका जैसे-तैसे खाई से बाहर निकली।

नम आंखों से हवलदार जितेंद्रसिंह को अंतिम विदाई दी

सुलताना, (निसं)। झुंझुनूं का एक और लाडला देश सेवा करते करते वीर गति को प्राप्त हो गया है। सुलताना कस्बे के वार्ड नंबर नौ निवासी जितेंद्र सिंह का सिक्किम में ड्यूटी के दौरान तबियत बिगड़ने से निधन हो गया। जिनका रविवार को सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शोक में सुलताना के बाजार बंद रहे। युवाओं ने पांच किलोमीटर तिरंगा यात्रा निकाली।

जानकारी के मुताबिक सेना सेवा कोर की यूनिट 27डीओयू में पूर्वोत्तर के सिक्किम में हाई एल्टीट्यूड एरिया में जितेंद्र सिंह तैनात थे। अपनी पोस्ट से अन्य पोस्ट पर एम्यूनिशन लेकर जाते वक्त गाड़ी में उनकी तबियत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उनका निधन हो गया। जितेंद्रसिंह शेखावत 1998 में सेना सेवा कोर में भर्ती हुए थे। परिवार में धर्मपत्नी मनोज कंवर तथा एक बेटा व बेटी है। जितेंद्र सिंह 15 दिन की छुट्टी पर गांव आए थे और 15 दिन पहले ही ड्यूटी पर वापस गए थे। जितेंद्र सिंह के निधन की सूचना पर गांव में सन्नाटा पसर गया। रविवार सुबह उनकी पार्थिव देह झांझोत पहुंची तो सैंकड़ों की संख्या में युवाओं ने तिरंगा रैली के साथ पार्थिव देह की अगवानी की। वहीं सुलताना के बाजार पूर्णतया बंद रहे। पार्थिव देह को उनके घर ले जाया गया तो घर में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। बाद में मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र हर्षवर्धन सिंह ने दी। उससे पहले सेना की टुकड़ी ने गार्ड आफ आनर दिया। अंतिम यात्रा में पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, भाजपा नेता राजेंद्र भांबू, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विश्वंभर पूनियां, भाजपा नेता बबलू चौधरी, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता यशवर्धन सिंह, भाजपा जिला प्रवक्ता कमलकांत शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

जितेंद्र सिंह की पार्थिव देह झांझोत पहुंची तो सैंकड़ों की संख्या में युवाओं ने तिरंगा रैली के साथ पार्थिव देह की अगवानी की।

चोरी किया ट्रक खरीदने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने चोरी किया ट्रक खरीदने वाले को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 1 मार्च को पीड़ित गोपाल कुमावत पुत्र फूलचंद कुमावत निवासी धुलकोट पहाड़ा रोड प्रतापनगर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। इसमें पीड़ित ने बताया कि ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करता हूं तथा स्टेपबाई स्टेप स्कूल नेला के पास मेरा कार्यालय है। 29 फरवरी को आफिस के बाहर ट्रक खड़ा किया जो दूसरे दिन मौके पर नहीं मिला। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गजेन्द्रसिंह राव के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी भवानीसिंह राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर ट्रक खरीदने वाले कबाड़ी अशफाक अंसारी पुत्र मोहम्मद यासिन निवासी मंगलवाड़ चौराहा मंगलवाड़ चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ चोरी व चोरी का माल खरीदने के तीन अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

लैपटॉप चुराने वाला गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। पिछले महीने 10 अगस्त को झुंझुनूं शहर के रोड नंबर पर तीन पर स्थित एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के कार्यालय से लैपटॉप और चार्जर चुराने के मामले में कोतवाली पुलिस ने एक आदतन चोर को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच कर रहे एएसआई रोहिताश्व सिंह ने बताया कि औरंगपुर आगरा निवासी सूरज सिंह ने कोतवाली में अज्ञात चोरों के खिलाफ लैपटॉप व दो चार्जर चोरी हो जाने की रिपोर्ट दी। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए थे। इस मामले में मोडा पहाड़ इलाके में रहने वाले सचिन कुमावत को गिरफ्तार किया गया है।

तनोट माता से लौट रही स्कार्पियो पलटी, चार घायल

जैसलमेर, (निसं)। सरहद स्थित मातारानी तनोट के दर्शन कर वापिस नागौर लौट रहे श्रद्धालुओं की स्कार्पियो पलटी खा जाने से चार लोग घायल हो गए। खेतोलाई गांव के पास रविवार को एक तेज गति से आ रही स्कार्पियो गाड़ी पलट गई, जिसमें सवार 4 लोग घायल हो गए। घटना खेतोलाई गांव से 2 किलोमीटर दूर हुई। जनकारी के अनुसार स्कोर्पियो में सवार लोग जैसलमेर तनोट माता मंदिर दर्शन कर वापिस परबतसर नागौर लौट रहे थे। इस दौरान खेतोलाई गांव के पास हादसा हो गया। हादसे के बाद राहगिरों ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। जिस पर तत्काल पोकरण से 108 एम्बूलेंस मौके पर पहुंची घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। 108 एम्बूलेंस के सवाई सिंह और दीपक ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें ज़िला हॉस्पिटल पहुंचाया। लाठी पुलिस घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच में जुट गई हैं। इस हादसे में महेश (36), गोरधनराम (33), देवीलाल (43) और शशिधर (54) घायल हो गए। सभी घायल परबतसर (नागौर) निवासी हैं।

बदमाश गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने दो युवकों से डिजिटल डॉलर के नाम पर लूटे गए 15 लाख रूपए के मामले में मुख्य आरोपी शेखसर निवासी रोबिन डूडी को गिरफ्तार कर लिया है।

दो दिन पहले मंडावा पुलिस ने मंडावा कस्बे की फतेहपुर बाईपास पर झगड़ा कर रहे शेखसर निवासी रोबिन डूडी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिससे पूछताछ की गई तो पता चला कि रोबिन डूडी झुंझुनूं पुलिस का वांटेड है। जिस पर पुलिस ने 20 हजार रूपए का इनाम घोषित कर रखा है, जिसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। अब कोतवाली पुलिस ने डकैती के मामले में रोबिन डूडी को गिरफ्तार कर लिया है।

बारिश के पानी की मार से महावीर कॉलोनी हो रही खोखली

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर की पॉश कॉलोनी कहलाने वाली महावीर कॉलोनी पानी की मार से खोखली हो रही है, लेकिन प्रशासन महावीर कॉलोनी की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

आनासागर क्षेत्र की पूर्व पार्षद मंजू सुराना ने बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन प्रभारी सचिव नवीन जैन को पत्र भेजकर प्रशासन की नाईंतजामीयों को उजागर करते हुए लिखा है कि गत छह सितम्बर की वर्षा से महावीर कॉलोनी में 3 से 4 फीट पानी भर गया था। पुष्कर रोड़ स्थित नाले पर अतिकमण के कारण महावीर कॉलोनी के पीछे के नाले से घरों में पानी घुस गया, जिसके कारण महावीर कॉलोनी के मकान 3-4 फीट पानी में डूब गये। पुष्कर रोड़ से आनासागर में जा रहे नाले पर अवैध अतिक्रमण तोड़ने हेतु संभागीय आयुक्त के निर्देश के बावजूद नगर निगम प्रशासन इस अवैध निर्माण को तोड़ नहीं रहा है, जिससे इस नाले की पिछले 10 वर्षों से सफाई नहीं हुई है और नाला कचरे मिट्टी से भरा पड़ा है। मंजू सुराना ने प्रभारी सचिव को बताया है कि महावीर कॉलोनी में आ रहे पानी में सांप और मछलियों की भरमार के चलते कॉलोनीवासियों का जीना दुश्वर हो गया है। नगर निगम इस क्षेत्र में न तो फोगिंग करवा रहा है, न ही मड पम्प लगाकर पानी की निकासी कर रहा है। मंजू सुराना ने प्रभारी सचिव से महावीर कॉलोनी के आसपास के अवैध निर्माणों को तुड़वाने और पानी निकासी का स्थायी हल करवाने हेतु प्रशासन को निर्देश देने की मांग की है।

- छह सितम्बर की वर्षा से महावीर कॉलोनी में 3 से 4 फीट पानी भर गया था

पति-पत्नी के शव मिलने से सनसनी फैली

माना जा रहा है कि पहले पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या की, इसके बाद खुद फांसी के फंदे पर झूल गया

सुलताना, (निसं)। सुलताना कस्बे की किठाना मोड़ बाईपास पर रविवार को पति-पत्नी के शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि पहले पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या की, इसके बाद खुद फांसी के फंदे पर झूल गया। हत्या के कारण पारिवारिक क्लेश माने जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक चारावास निवासी राजेश फौजी था, जिसकी शादी सवा दो साल पहले 21 मई 2022 को अमरपुरा निवासी मंजू के साथ हुई थी। मंजू के भाई विक्रम का आरोप है कि शादी के बाद से ही मंजू को उसके ससुर रामस्वरूप, जेठ अजीत, ननद सजना और किरण परेशान करते थे और मारपीट करते थे। करीब दो माह पहले भी जब उसकी बहन ससुराल चारावास में थी तो रात को उसके साथ मारपीट की। जिसकी शिकायत भी गुढ़ागौड़जी थाने में दी गई थी। बाद में दोनों पक्षों ने बैठकर समझाइश की, लेकिन उसके बाद भी उसकी बहन को प्रताड़ित किया जा रहा था। जिससे परेशान होकर मंजू अपने फौजी पति विक्रम के साथ सुलताना कस्बे की किठाना मोड बाईपास पर एक मकान किराए पर लेकर रहने लगी। दोनों पति-पत्नी चार दिन पहले 11 सितंबर को ही मकान में आए थे। रविवार सुबह भी विक्रम अपनी बहन को दूध देने आया था। तब तक सब ठीक था। लेकिन दोपहर को जब विक्रम की मां ने अपनी बेटी मंजू को फोन किया तो उसने फोन नहीं उठाया। जिस पर विक्रम किराए के कमरे पर पहुंचा, जहां पर मंजू जमीन पर पड़ी हुई थी और राजेश फांसी के फंदे पर झूला हुआ था। मौके पर बुहाना डीएसपी नोपाराम भाकर व सुलताना एसएचओ भजनाराम पहुंचे। डीएसपी नोपाराम भाकर ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर यह सामने आया है कि विवाहिता मंजू की मौत गला घोंटने से हुई है, तो वहीं राजेश की मौत फांसी के फंदे पर झूलने से हुई है। इस मामले में परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। एफएसएल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। बताया जा रहा है कि मृतक राजेश फौजी था, जो पिछले करीब तीन-चार महीनों से छुट्टी आया हुआ था। पहले वह अपने गांव चारावास था। लेकिन चार दिन पहले अपनी पत्नी के साथ सुलताना में रह रहा था।

- दोनों पति-पत्नी चार दिन पहले 11 सितंबर को ही किराये के मकान में आए थे

हनीट्रेप मामले में तीन गिरफ्तार

आरोपी युवती और कुछ अन्य साथी अभी भी फरार

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं कोतवाली पुलिस ने हनीट्रेप मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक आरोपी पहले से ही कोतवाली पुलिस थाने में दर्ज हनीट्रेप मामले में वांछित था, जिसे अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जांच अधिकारी एसआई सुरेश रोलन ने बताया कि पिछले महीने तीन अगस्त को पीपली चौक निवासी जाकिर ने थाने में मामला दर्ज कराया था कि उसके पास एक अज्ञात युवती का फोन आया, जिसने अपना प्लॉट बेचने की बात कही। इस पर जाकिर युवती का प्लॉट देखने के लिए चला गया। जब मौके पर पहुंचे वहां पर पहले से चार युवक मौजूद थे। जिन्होंने जाकिर के साथ मारपीट की और उससे गाड़ी व पैसे लूट लिए। इसके बाद गाड़ी तो कुछ दूर पर छोड़कर चले गए। लेकिन झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर एक लाख रूपए की डिमांड की। जाकिर ने इस बीच कोतवाली में मामला दर्ज करा दिया। मामले की जांच कर रहे एसआई सुरेश रोलन इस मामले में बुडानिया निवासी अजय कुमार, जीवा का बास निवासी अजय चौधरी तथा नयासर निवासी शुभम बुडानिया को गिरफ्तार कर लिया है। अजय चौधरी और शुभम बुडानिया पर पूर्व में ही मारपीट के दो-दो मामले दर्ज है। वहीं गिरफ्तार आरोपी बुडानिया निवासी अजय कुमार कोतवाली पुलिस थाने में ही दर्ज एक अन्य हनी ट्रेप मामले में वांछित है। अजय कुमार ने कुछ माह पहले फरार चल रही युवती के साथ मिलकर एक अन्य व्यक्ति पर भी झूठा मुकदमा दर्ज करवाकर उससे नाजायज डिमांड की थी। जिस पर कोतवाली पुलिस ने नाजिया व अन्य को गिरफ्तार कर लिया था। अजय मामले में फरार चल रहा था। जिस युवती का नाम इस मामले में आ रहा है। वो फतेहपुर की नाजिया बताई जा रही है। इसके अलावा दो-तीन अन्य लोगों के भी इस मामले में शामिल होने की बात सामने आ रही है, जिसे लेकर लगातार पुलिस दबिशें दे रही है। पीड़ित जाकिर ने हाल ही में अपना खेत बेचा था। जिससे उसके पास 35 लाख की रकम आई थी। इसी रकम को देखते हुए उसे हनी ट्रेप में फंसाने की कोशिश किए जाने के कयास लगाए जा रहे है। बहरहाल, पुलिस की जांच लगातार जारी है। फरार युवती नाजिया के पकड़े जाने के बाद पूरे मामले का राजफाश होगा।

पुलिस ने हनीट्रेप मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। मेहाडा पुलिस ने थाना क्षेत्र की एक महिला के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म करने के मामले में कार्रवाई करते हुए रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी जा रही है, जहां उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। थानाधिकारी सरदारमल चौधरी ने बताया कि 26 अगस्त को एक महिला ने थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि वह अपने घर में अकेली थी। इस दौरान गांव का ही रतनलाल उसके घर आया तथा उसे अकेली देखकर उसके साथ मारपीट करते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद एसपी प्रवीण कुमार नायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन कर वारदात के आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस की टीम आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इस दौरान पुलिस की टीम को सूचना मिली कि महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी अपने गांव आया हुआ है। जिस पर पुलिस की टीम ने दबिश देकर रतनलाल पुत्र जयचंद गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया।

अश्विन बहुत अच्छे गेंदबाज हैं। वह बहुत रणनीतिक हैं। उनके पास बल्लेबाजों के लिए हमेशा एक योजना होती है। वह बल्लेबाजों की खामियों का पता लगाने और मैच के दौरान दबदबा बनाने की कोशिश करते रहते हैं। मैं इसका सम्मान करता हूं। - उस्मान ख्वाजा

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, रविचंन्द्रन अश्विन की तारीफ की।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अंशुल कंबोज

अंशुल कंबोज के 8 विकेट इंडिया सी के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने शानदार बॉलिंग की। उन्होंने 27.5 ओवर में 69 रन देकर 8 विकेट लिए। उन्होंने नारायण जगदीशन, पिछले मैच के शतकवीर मुशीर खान और सरफराज खान को आउट किया। उनकी वजह से इंडिया सी को 193 रन की बढ़त मिली। प्रथम श्रेणी का अपना 15वां मैच खेल रहे हरिणाया के कंबोज ने पहली बार पांच विकेट चटकाये। वह इस सत्र में आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं। इस मैच में भारतीय खिलाड़ी ईशान किशन ने भी प्रभावित किया।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल के इतिहास का सबसे विवादास्पद गोल इंग्लैण्ड में 1966 में हुए विश्व कप के दौरान हुआ। इस मैच में इंग्लैण्ड 4-2 से जीता।

हाथ में फ्रैक्चर के बावजूद नीरज चोपड़ा ने जीता सिल्वर

डायमंड लीग के फाइनल में एक सेंटीमीटर से स्वर्ण पदक से चूके नीरज

एंडरसन पीटर्स ने 87.87 मीटर के प्रयास के साथ अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता

ब्रसेल्स, 15 सितम्बर। दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया कि उन्होंने ट्रेनिंग सत्र के दौरान हाथ में लगी चोट के बावजूद डायमंड लीग सत्र के फाइनल में हिस्सा लिया। चोपड़ा शनिवार को डायमंड लीग का खिताब जीतने के बेहद करीब पहुंच गए थे लेकिन एक सेंटीमीटर से चूक गए और लगातार दूसरे साल 87.86 मीटर के थ्रो से दूसरे स्थान पर रहे।

पेरिस ओलिंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 87.87 मीटर के प्रयास के साथ अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। वहीं भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा 87.86 मीटर, एक सेंटीमीटर की चूक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। 2023 यूरोपीय खेलों के चैंपियन जर्मनी के जूलियन वेबर 85.97 मीटर की दूरी के साथ तीसरे स्थान रहे।

चोपड़ा (26 वर्ष) ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कहा, ''सोमवार को अभ्यास के दौरान मैं चोटिल हो गया था और 'एक्स-रे' से पता चला कि मेरे बाएं हाथ की (चौथी मेटाकार्पल) हड्डी में फ्रैक्चर है। यह मेरे लिए एक और दर्दनाक चुनौती थी। लेकिन अपनी टीम की मदद से मैं ब्रसेल्स में भाग लेने में सफल रहा।''उन्होंने कहा, ''यह साल का अंतिम टूर्नामेंट था। मैं अपनी ही उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सत्र था जिसमें मैंने बहुत कुछ सीखा। अब मैं पूरी तरह से फिट होकर वापसी कर खेलने के लिए तैयार हूं।''

चोपड़ा इस सत्र में फिटनेस से जूझ रहे थे और उम्मीद है कि वह 'ग्रोइन' चोट को ठीक करने के लिए डॉक्टर से मिलेंगे जिसने उन्हें पूरे सत्र में प्रभावित किया। अब उन्हें हाथ में नयी चोट लग गई है और उन्होंने इसके बारे में ज़्यादा विस्तार से नहीं बताया। तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पेरिस खेलों में रजत जोड़कर उन्होंने सत्र का शानदार अंत किया। सत्र के बारे में उन्होंने कहा, ''2024 सत्र समाप्त हो गया है तो मैं साल भर में सीखी गई सभी चीजों को देखता हूं जिसमें सुधार, असफलतायें, मानसिकता और बहुत कुछ शामिल है। मैं आप सभी को आपके प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। 2024 ने मुझे एक बेहतर एथलीट और इंसान बनाया है। 2025 में मिलते हैं।''

कोरिया के खिलाफ फॉर्म में चल रही भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पहला सेमिफाइनल भारत व कोरिया, दूसरा सेमिफाइनल पाकिस्तान व चीन के बीच आज होगा

हुलुनबुइर (चीन), 15 सितम्बर। शानदार फॉर्म में चल रही पेरिस ओलिंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम यहां होने वाले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के खिलाफ प्रबल दावेदार होगी। भारत ने अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है, उसने पांचों लीग मैच जीते हैं। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान चीन पर 3-0 की जीत के साथ की। इसके बाद उसने जापान को 5-1 और मलेशिया को 8-1 से मात दी। भारतीय टीम ने कोरिया को 3-1 से हराने के बाद चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 2-1 से जीत हासिल की।

भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। खिलाड़ियों ने प्रत्येक विभाग में बेहतर खेल दिखाया है, फिर चाहे अग्रिम पंक्ति हो या मिडफील्ड हो या फिर रक्षण। लीग चरण में भारत के लिए स्ट्राइकरों का प्रदर्शन अद्भुत रहा है। पेरिस में मैदानी गोल करना भारत के लिए चिंता का विषय था लेकिन यहां सुखजीत सिंह, अभिषेक, उत्तम सिंह, गुरजोत सिंह, अरिजीत सिंह हुंडाल और अन्य की युवा स्ट्राइकरों ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया है। युवा मिडफील्डर राज कुमार पाल ने भी कुछ अच्छे मैदानी गोल दागे। इसके अलावा अनुभवी मनप्रीत सिंह, उप कप्तान विवेक सागर प्रसाद और नीलकांत शर्मा ने मिडफील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

भारतीय डिफेंस भी दमदार रहा है जिसने केवल चार गोल गंवाये हैं। वहीं गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा ने टीम को करिश्माई पीआर श्रीजेश के संन्यास से पैदा हुए खालीपन को महसूस नहीं होने दिया। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैगफ्लिकर में से एक हरमनप्रीत ने पेरिस की अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए पांच पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया।

हरमनप्रीत को युवा जुगराज सिंह से अच्छा सहयोग मिल रहा है जो इस समय दुनिया के सबसे तेज ड्रैगफ्लिकर हैं। लेकिन नॉकआउट मुकाबला किसी भी टीम के लिए नयी शुरूआत होता है तो भारतीय टीम कोरिया को हल्के में लेने की गलती नहीं कर सकी क्योंकि प्रतिद्वंद्वी टीम का दिन अच्छा रहे तो वह हैरान कर सकती है और उसने मलेशिया के खिलाफ अंतिम समय में बराबरी हासिल कर 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय डिफेंस को भी बहुत अधिक पेनल्टी कॉर्नर नहीं गंवाने के बारे में सतर्क रहना होगा क्योंकि सात गोल कर चुके टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर जिहुन यांग के रूप में कोरिया के पास एक मजबूत ड्रैगफ्लिकर है। दिन के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना मेजबान चीन से होगा। फाइनल मंगलवार को होना है।

चोटिल बटलर की जगह ब्रूक को बनाया गया इंग्लैंड टीम का कप्तान

लंदन, 15 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से चोटिल जॉस बटलर बाहर हो गये है और उनकी जगह हैरी ब्रूक को इंग्लैंड टीम का कप्तान बनाया गया है। ब्रूक ने इससे पहले भी कई बार कप्तानी की भूमिका निभाई है। वह 2018 में अंडर-19 विश्व कप में भी इंग्लैंड के कप्तान थे। वह 2022 में टी20 ब्लास्ट में यॉर्कशर के लिए चार मैचों में कप्तान बनाये गये थे और इस वर्ष द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में टीम ने छह में से पांच मैच जीते लेकिन नॉकआउट स्टेज से मामूली अंतर से चूक गई। श्रीलंका पर 2-1 से मिली टेस्ट श्रृंखला जीत में भी वह टीम के उपकप्तान थे, टीम प्रबंधन उनको लंबे समय कप्तान के विकल्प के तौर पर देख रहा है। फिल सॉल्ट मौजूदा टी-20 श्रृंखला में कप्तानी संभाल रहे हैं। बटलर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी-20 सीरीज में इंग्लैंड टीम के साथ हैं और उनके नवंबर में कैरेबियाई दौरे पर वापसी करने की उम्मीद है। पहले दो टी-20 में लिविंगस्टन के प्रदर्शन को देखते हुए उनकी एकदिवसयी टीम में वापसी हुई है। इंग्लैंड ने यह भी पुष्टि की कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जॉश हल चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। टीम के प्रवक्ता ने बताया कि हल को एहतियात के तौर पर टीम से बाहर रखा गया है है। उल्लेखनीय है पांच मैचों की एकदिववसीय श्रृंखला गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी और 29 सितंबर तक चलेगी।

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज से ईशान की वापसी संभव

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन जो 9 महीने से बाहर चल रहे थे उनके लिए टीम इंडिया में वापसी के रास्ते खुलते नजर आ रहे हैं। क्योंकि, भारतीय सिलेक्टर्स उपकप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत जैसे प्लेयर्स को बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज से वर्कलोड मैनेजमेंट पोलिसी के तहत आराम देने पर विचार कर रहे हैं। यदि पंत को आराम दिया जाता है, तो किशन के नाम पर विचार किया जा सकता है। रविवार को एक सूत्र के हवाले से लिखा- शुभमन गिल सहित कुछ सीनियर प्लेयर्स को 6 अक्टूबर से शुरू हो रही टी-20 सीरीज से आराम दिया जाएगा। गिल, बुमराह, पंत और सिराज बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट का हिस्सा हैं।

राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में धौलपुर ने भरतपुर को हराया

जयपुर, 15 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता के फ़ाइनल में धौलपुर ने भरतपुर को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर प्रतिगोगिता की चैंपियन बनी। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया की आज जयपुर में खेले गए 2 दिवसीय राज्य स्तरीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच के अंतिम दिन धौलपुर ने भरतपुर को हराकर ट्रॉफी जीती।धौलपुर टीम पहली बार राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता की चैंपियन बनी है व भरतपुर टीम इस साल लगातार राज्य स्तरीय अंडर 19 व अंडर 16 दोनों प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंची है।

जयपुर पोलो टीम ने जीता चिंकारा कप

जयपुर, 15 सितंबर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर रविवार को खेले गए टूर्नामेंट में जयपुर पोलो टीम ने मेफेयर पोलो टीम को शिकस्त देकर चिंकारा कप (06 गोल) अपने नाम कर लिया। जयपुर पोलो टीम ने मेफेयर पोलो टीम को 7-3 के स्कोर से मात दी। विजेता टीम से लांस वॉटसन ने 5 गोल और एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 1 गोल किया। वहीं सलीम आज़मी ने टीम के लिए 1 गोल किया। टीम में अन्य खिलाड़ी महेंद्र सिंह भी शामिल थे। पराजित टीम मेफेयर पोलो से सिमरन सिंह शेरगिल ने 2 गोल और अनय शाह ने 1 गोल किया। वहीं टीम में विश्नरूपे बजाज और सिद्धांत शर्मा भी शामिल थे।

इंडिया ए ने टीम डी को 186 रनों से हराया

कोटियान ने चार व मुलानी ने तीन विकेट लिए

अनंतपुर, 15 सितंबर। तनुष कोटियान (चार विकेट) और शम्स मुलानी (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंडिया 'ए' ने दलीप ट्रॉफी के तीसरे मैच के चौथे दिन रविवार को इंडिया 'डी' को 186 रनों से हरा दिया है।

आज यहां इंडिया 'डी' ने कल के एक विकेट पर 63 से आगे खेलना शुरू किया, इसी दौरान 30 ओवर में जब टीम का स्कोर 102 रन था यश दुबे (37) दुभाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गये। इसके बाद शम्स मुलानी देवदत्त पड़िक्कल (1) को बोल्ड कर इंडिया 'डी' को तीसरा झटका दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने रिंकू भुई के साथ मिलकर कुछ देर पारी को सभाला, लेकिन 47वें ओवर में मुलानी ने अय्यर (41) को अपना शिकार बनाकर बड़ी हो रही साझेदारी को तोड़ा। संजू सैमसन (40) भी मुलानी का शिकार बने। सारांश जैन (5) को तनुष कोटियान ने आउट किया। उसके बाद तनुष कोटियान ने रिंकू भुई (113) को आउट कर इंडिया 'डी' की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। सौरभ कुमार (22) और हर्षित राणा (24) रन बनाकर आउट हुये। इंडिया 'ए' के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन का मुजाहिरा करते हुए इंडिया 'डी' की टीम को 82.2 ओवर में 301 के स्कोर पर समेट दिया।इंडिया 'ए' की ओर तनुष कोटियान ने चार विकेट लिये। शम्स मुलानी को तीन विकेट मिले। खलील अहमद और रियान पराग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले प्रथम सिंह (122) और तिलक वर्मा (111 नाबाद) के बीच शतकीय भागीदारी की मदद से इंडिया 'ए' ने दलीप ट्राफी मुकाबले के तीसरे दिन शनिवार को तीन विकेट पर 380 रन पर पारी घोषित कर इंडिया 'डी' 488 रनों का लक्ष्य दिया था तीसरे दिन का खेल खत्म होने के समय इंडिया डी अपनी दूसरी पारी में एक विकेट खोकर 63 रन बना लिये थे।

इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में 290 रन बनाये थे जिसके जवाब में इंडिया डी पहली पारी में देवीदत्त पड्डिकल के 92 रनो के योगदान के बावजूद 183 रनों पर सिमट गयी थी। इंडिया ने पहली पारी में 107 रनों की बढ़त के बाद प्रथम सिंह (122) और तिलक वर्मा (111 नाबाद) के बीच शतकीय भागीदारी की मदद से इंडिया 'ए' ने तीन विकेट पर 380 का स्कोर खड़ा करने के बाद पारी घोषित कर दी थी। इंडिया 'डी' को 488 रनों का लक्ष्य मिला था।

कवीन क्विंटल ने 16वें स्थान पर फिनिश की रेस

मलेशिया, 15 सितम्बर। आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया टीम के कवीन क्विंटल ने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप के पांचवें राउण्ड की दूसरी रेस 16वीं पोजीशन पर फिनिश की जबकि उनके जोड़ीदार मोहसीन परामबन 23वें स्थान पर रहे। चेन्नई के कवीन क्विंटल ने आज की रेस 18वें पॉज़िशन से शुरू की और 16वें पॉज़िशन पर पहुंच गए। स्थिर परफोर्मेन्स देते हुए उन्होंने आज की रेस 20:02.086 के कुल टाईम के साथ 16वें पॉज़िशन पर फिनिश की। आज की मुश्किल रेस में मोहसीन परामबन ने दृढ़ इरादे का प्रदर्शन किया और अन्य इंटरनेशनल राइडरों को कड़ी टक्कर दी। ग्रिड पर 21वें पॉज़िशन से शुरूआत करने के बाद मोहसीन शांत बने रहे और सावधानी से आगे बढ़ते रहे और 23वें पॉज़िशन पर चैकर्ड लाईन पार की। उन्होंने 20:25.709 के कुल टाईम के साथ रेस पूरी की। ज़बरदस्त प्रतियोगिता और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद दोनों राइडरों ने दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया, लेकिन दुर्भाग्य से वे टीम के लिए कोई पॉइन्ट्स स्कोर नहीं कर सके।

इंडिया 'बी' बनाम इंडिया 'सी' मुकाबला ड्रा

ऋतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार ने खेली जुझारू पारी

अनंतपुर,15 सितम्बर। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (62) और रजत पाटीदार (42) की जुझारू पारियों के बाद रविवार को दलीप ट्रॉफी के चौथे मैच के आखिरी दिन इंडिया 'बी' बनाम इंडिया 'सी' मुकाबले को ड्रा घोषित कर दिया गया। आज यहां इंडिया 'सी' ने दूसरी पारी चार विकेट पर 128 रन बनाकर घोषित कर दी। बी साई सुदर्शन (11) ऋतुराज गायकवाड़ ने (62) रजत पाटीदार ने (42) और इशान किशन (एक) रन बनाकर आउट हुए। बाबा इंद्रजीत (पांच) और अभिषेक पोरेल (4) रन बनाकर नाबाद रहे। इंडिया बी ओर से 37 ओवर फेंके गये। दीपक चाहर ने दो विकेट लिये। मुशीर खान और मुकेश कुमार ने 1-1 बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले इंडिया 'बी' के लिए कप्तान ईश्वरन ने 14 चौकों और एक छक्के की मदद से (नाबाद 157) रनों की पारी खेली थी। उन्होंने नारायण जगदीशन (70) के साथ 129 रन की साझीदारी की थी। इसके उनका कोई भी बल्लेबाज पिच पर अधिक देर तक नहीं टिक सका और आखिरी दिन इंडिया सी के गेंदबाजों ने इंडिया 'बी' को 332 रन पर समेट दिया। इसी के साथ इंडिया 'सी' को पहली पारी के आधार पर 193 रनों की बढ़त मिल गई थी। इंडिया 'सी' की ओर से अंशुल कंबोज ने आठ विकेट लिये।

विजयकुमार वैशाख और मयंक मार्कंडेय ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया था। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए इंडिया सी ने इशान किशन की शतकीय और मानव सुथार, ऋतुराज गायकवाड़ और बाबा इंद्रजीत की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 525 रनों का विशालकाय स्कोर खड़ा किया था। दूसरे दिन इंडिया सी की पूरी टीम को समेटने के बाद इंडिया बी की शुरुआत भी बेहतरीन हुई थी और दूसरे दिन के खेल की समाप्ति के बाद इंडिया बी ने बिना विकेट गंवाए 124 रन बनाये थे। इंडिया 'बी' की ओर से मुकेश कुमार और राहुल चाहर ने चार-चार विकेट लिये। नवदीप सैनी और नितिश कुमार रेड्डी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

तीसरे दिन इंडिया बी को सबसे पहला झटका एन जगदीशन के रूप में लगा। कंबोज ने उन्हें 70 के निजी स्कोर पर चलता किया। जबकि इसके बाद उन्होंने सरफराज खान और मुशीर खान को अपना शिकार बनाया। दूसरे राउंड में टूर्नामेंट का हिस्सा बने रिंकू सिंह भी कुछ खास नहीं कर पाए और छह के निजी स्कोर पर कंबोज का ही शिकार बन गए। वहीं नितीश कुमार रेड्डी की भी कंबोज ने बोल्ड किया था।

भारतीय टेनिस टीम को डेविस कप में स्वीडन ने 4-0 से हराया

स्टॉकहोम, 15 सितंबर। भारतीय टेनिस टीम को स्वीडन के खिलाफ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप एक मुकाबले में 4-0 से हार का सामना करना पड़ा। स्टॉकहोम के रॉयल टेनिस हॉल के इनडोर हार्ड कोर्ट में खेले गये इस मुकाबले में स्वीडन के शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी इलियास यमेर की अगुवाई वाली घरेलू टीम ने पहले दिन एन श्रीराम बालाजी और रविवार को सिद्धार्थ विश्वकर्मा पर जीत दर्ज की।

भारत बनाम स्वीडन टेनिस मुकाबले में एक युगल और तीन एकल मैच खेले गए। भारत को चारों मैचों में सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। रामकुमार रामनाथन और एन श्रीराम बालाजी की भारतीय युगल जोड़ी को दूसरे दिन के शुरुआती मैच में फिलिप बर्गेवी-आंद्रे गोरानसन के खिलाफ 6-3, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सिद्धार्थ विश्वकर्मा चौथे मैच में इलियास यमेर से 6-2, 6-2 से हार गए। इससे पहले शनिवार को एन श्रीराम बालाजी स्वीडन के इलियास यमेर से शुरुआती मुकाबले में 6-4, 6-2 से हार गए थे। भारत के नंबर वन एकल खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन दूसरे मैच में टेनिस के दिग्गज ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग से 6-3, 6-4 से हार गए।

गंभीर के होते हुए भारतीय टीम के साथ कोई नीरस पल नहीं आएगा : अजय जडेजा

कोलकाता, 15 सितम्बर। भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा का मानना है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में आक्रामक रुख बनाये रखेंगे और विपक्षी टीम को दबदबा बनाने का मौका नहीं देंगे। भारत दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा। बांग्लादेश के इस दौरे का आगाज 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से होगा। जडेजा से जब गौतम गंभीर की मौजूदगी में टीम के दृष्टिकोण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''यह बिल्कुल साफ है, उनका दृष्टिकोण आक्रामक है। एक बात निश्चित है कि उनकी मौजूदगी में कोई नीरस पल नहीं आएगा, वह हमेशा कुछ न कुछ करने की कोशिश करेंगे।''

भारत के लिए 196 एकदिवसीय में 37.47 की औसत से 5359 रन बनाने वाले 53 साल के इस पूर्व दिग्गज ने कहा, ''वह (गंभीर) ऐसा व्यक्ति नहीं होगा जो शांतचित रहकर चीजों को चलने दे। वह कुछ ऐसा करने की कोशिश करेंगे जो सबको आश्चर्यचकित करेगा। जैसे हमने सूर्यकुमार यादव को अचानक कप्तान बनते देखा था। मैं उस रोमांच का इंतजार कर रहा हूं जो हम देखने जा रहे हैं।''

जडेजा से बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के वार्षिक पुरस्कार समारोह के मौके पर जब यह पूछा गया कि वह इस टेस्ट श्रृंखला के लिए गंभीर को क्या सलाह देना चाहेंगे तो उन्होंने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि वह सुझाव नहीं मांगेंग। वह वहां इसलिये है क्योंकि उन्होंने खुद को साबित किया है और उनका एक नजरिया है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि वह किसी की सलाह नहीं लेंगे और अपना दृष्टिकोण नहीं बदलेंगे क्योंकि जिस चीज से आपको पहचान मिली है उस पर भरोसा कर के उस पर कायम रहना चाहिये। वह हमेशा बेहतर हो सकते हैं।''

अजय जडेजा ने भारत में 2023 वनडे विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान टीम के मेंटर के रूप में काम किया था। बांग्लादेश पाकिस्तान में ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत कर आ रहा है लेकिन जडेजा ने कहा कि भारत कहीं बेहतर टीम है। उन्होंने कहा, ''कोई भी टीम जब जीतकर आती है वह हमेशा सोचती है कि वह जीत सकती है लेकिन इस समय पाकिस्तान और भारत क्रिकेट टीम में काफी अंतर है। भारत कहीं बेहतर टीम है।'' उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश के नजरिये से देखे तो वे सोचेंगे कि अगर पाकिस्तान को हराया है तो भारत को भी शिकस्त दे सकते है लेकिन भारत की टीम पाकिस्तान से काफी बेहतर है।

फेवरेट तो हम ही हैं, चिंता उन्हें होनी चाहिए : मोहम्मद शमी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर बोले भारतीय पेसर, कहा-सौ प्रतिशत फिट होने पर ही वापसी करूंगा

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर बात करते हुए कहा कि फेवरेट तो हम ही हैं, उन्हें चिंता होनी चाहिए। 34 साल के तेज गेंदबाज ने शनिवार को बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अवॉर्ड शो में हिस्सा लिया। शमी में टखने की चोट से रिकवर कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को पिछली 4 टेस्ट सीरीज से नहीं हरा सकी है।

टीम इंडिया में वापसी के सवाल पर कहा- मैं जबरदस्ती और जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं। मैं 100 फीसदी फिट होकर मैदान पर लौटना चाहता हूं। शमी ने से कहा, मैं जितना मजबूत होकर वापस आऊंगा, मेरे लिए उतना ही बेहतर होगा। मैं जल्दबाजी नहीं करना चाहता, क्योंकि फिर से चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहता, चाहे वे बांग्लादेश, न्यूजीलैंड या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज हो। उन्होंने कहा- मैंने पहले ही गेंदबाजी शुरू कर दी है। शमी ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 वनडे वर्ल्ड कप में खेला था। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मैच में चोटिल हो गए थे। शमी अक्टूबर में होने वाली रणजी ट्रॉफी में खेलते दिख सकते हैं। वे बंगाल की ओर से 11 अक्टूबर को यूपी और 18 अक्टूबर को बिहार के खिलाफ मैच में उतर सकते हैं। यदि वो डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते हैं तो न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में से इंडियन टीम में वापसी कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजकों से प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है।

'सपने वो नहीं होते जो सोने के बाद आते हैं, सपने वो होते हैं जो सोने नहीं देते'

गौड़ ब्राह्मण महासभा के प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल ने यह बात कही

- **मुख्यमंत्री ने कहा, स्कूलों में इनोवेशन कार्य चल रहे हैं। हम पढ़ाई के साथ स्किल को बढ़ावा देंगें।**
- **उन्होंने कहा, आने वाले में समय में सरकार 10 लाख नौकरियाँ मुहैया कराएगी जिसमें 4 लाख सरकारी नौकरी तथा 6 लाख निजी क्षेत्र में दी जायेंगी।**

बस्सी, (निसं)। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने महासभा का धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है। हमारे देश की धरती ऋषि मुनियों की तपोस्थली रही है। हमें आपसी समन्वय के साथ समाज और देश को आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपने वो नहीं होते जो सोने के बाद आते हैं बल्कि सपने वो होते हैं जो सोने नहीं देते हैं। भजनलाल ने कहा कि सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। सरकार द्वारा 25 हजार छात्र-छात्राओं को टैबलेट बांटे जा चुके हैं। स्कूलों में इनोवेशन कार्य चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वे हाल ही में कोरिया जाकर आए हैं वहां पढ़ाई के साथ स्किल को प्रमुखता दी जाती है। हमें भी पढ़ाई के साथ स्किल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। सरकार आने वाले समय में 10 लाख नौकरियां मुहैया कराएगी जिसमें 4 लाख सरकारी नौकरी और 6 लाख निजी क्षेत्र में दी जाएंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 1500 प्रतिभाओं का सम्मान किया।

कार्यक्रम में जयपुर शहर सासंद मंजू शर्मा, जमावारामगढ़ विधायक महेंद्रपाल मीणा, लालसोट विधायक रामनिवास मीणा, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, सहित अनेक भाजपा नेताओं तथा जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्मा, राष्ट्रीय संरक्षक सुभाष गोगोरिया सहित महासभा के अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री का विभिन्न स्थानों पर समाजबंधुओं की ओर से माला पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

निवेश समिट में प्रवासी राजस्थानियों की अहम् भूमिका होगी-भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने राइज़िंग राजस्थान समिट के आयोजन की समीक्षा बैठक ली

- **पर्यटन, नगरीय विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग, रीको, कृषि-पशुपालन, शिक्षा खान-पैट्रोलियम, ऊर्जा व चिकित्सा विभागों में प्री समिट आयोजित होगा।**
- **राइज़िंग राजस्थान की सफलता के लिये जिला स्तर पर इन्वेस्टर्स मीट आयोजित होंगी।**

जयपुर, 15 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राइज़िंग राजस्थान समिट के लिए समस्त अधिकारीगण टीम भावना के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि डॉमैस्टिक एवं इंटरनेशनल इन्वेस्टर्स मीट के आयोजन से राजस्थान निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है।

शर्मा शनिवार रात को मुख्यमंत्री आवास पर राइज़िंग राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देश दिए कि इस समिट के सफल आयोजन के लिए तय समय में सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

उन्होंने दिल्ली में आयोजित होने वाले आगामी डॉमैस्टिक इन्वेस्टर्स मीट के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए विभागीय स्तर पर प्री-समिट का आयोजन कार्ययोजना के साथ किया जाए। उन्होंने पर्यटन, नगरीय विकास एवं आवासन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य व रीको, कृषि एवं पशुपालन, शिक्षा, खान एवं पेट्रोलियम, ऊर्जा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को प्री-समिट के जरिये संबंधित क्षेत्र के निवेशकों के साथ बैठक आयोजित कर निवेश आकर्षित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइज़िंग राजस्थान की सफलता में जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इन्वेस्टर्स मीट की अहम भूमिका होगी। इसके लिए जिला कलस्टर्स एवं संबंधित विभाग स्थानीय स्तर पर निवेश के इच्छुक उद्यमियों से संवाद स्थापित कर बैठक आयोजित करें, जिससे निवेश धरातल पर मूर्त रूप ले सके और रोजगार के नवीन अवसर सृजित हो सकें।

मुख्यमंत्री ने बैठक में विभिन्न देशों एवं देश के विभिन्न राज्यों में जाकर निवेशकों के साथ बैठक करने वाले अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से निवेशकों को उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाओं की जानकारी दौरा करने वाले अधिकारियों को होना बेहद जरूरी है। उन्होंने राजस्थान फाउन्डेशन के तहत प्रवासी राजस्थानियों को भी प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत उपस्थित थे तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी वी.सी. के माध्यम से जुड़े।

बजरी से भरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। सभी मध्य प्रदेश के निवासी हैं, जो खाटू श्याम दर्शन के लिए जा रहे थे। एक घायल को कोटा रैफर कर दिया गया है।

हिंडोली थाना अधिकारी पवन मीणा ने बताया कि हादसा जयपुर रोड पर लदगरिया भैंरू पुलिया के पास हुआ, जिसमें, कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, वहीं, मृतकों के शव जिला अस्पताल में रखवाए गए हैं। परिजनों के आने के बाद शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। घटनास्थल पर हिंडोली के पुलिस उप अधीक्षक घनश्याम मीणा व थाना अधिकारी पवन मीणा सहित जाप्ते ने पहुंच जांच पड़ताल शुरू कर दी।

भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने जिला अस्पताल पहुंचकर देवास निवासी दोनों घायलों, अनिकेत व मनोज की कुशलक्षेम पछी और उनके उपचार के बारे में जानकारी ली।

बून्दी विधायक हरिमोहन शर्मा भी जिला अस्पताल गए और घायलों की कुशलक्षेम पूछी।

मालदा में नकाबपोशों ने कांग्रेस नेता की गोलियाँ बरसाकर हत्या की

- **मृतक के पुत्र ने टी.एम.सी. समर्थित अपराधियों पर हमले का आरोप लगाया।**

मालदा, 15 सितंबर। पश्चिम बंगाल के मालदा में रविवार सुबह कुछ बदमाशों ने दिनदहाड़े कांग्रेस के एक नेता की हत्या कर दी। इस घटना से आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। घटना मानिकचक के धरमपुर स्टैंड के पास स्थित बाजार की बताई जा रही है।मृतक का नाम शेख सैफुद्दीन बताया जा रहा है जो कांग्रेस से जुड़े हुए थे। मृतक कांग्रेस नेता के बेटे के मुताबिक, उनके पिता रविवार सुबह करीब 9 बजे मानिकचक गए थे। इसी दौरान नकाबपोश बदमाशों ने कांग्रेस नेता को घेर लिया और उन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी।

जानकारी के अनुसार, इस दौरान बदमाशों ने बम से भी हमला किया। हमले में कांग्रेस नेता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक के बेटे ने इस हमले का आरोप टीएमसी समर्थित अपराधियों पर लगाया है।

फिलहाल घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। हालांकि, घटना के बारे में पुलिस की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन, पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए यह पता लगा रही है कि इस घटना के पीछे किसका हाथ है।

समाज के विभिन्न ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ मिलकर स्वास्थ भवन पहुंचे, जहां सरकारी अस्पताल के जूनियर डॉक्टर मंगलवार से ही विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन की कोलकाता शाखा ने भी महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग को लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन किया।

पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट द्वारा रविवार को महा विजिल आयोजित करने के आ ान पर राज्य में खराब स्थिति को उजागर करने के लिए, विशेषकर हत्या के मामले में, उच्चतम न्यायालय में मंगलवार को होने वाली अगली सुनवाई से पहले शहर में विरोध रैलियों का दौर चला।

उधर, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रविवार को आरजी कर कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष और ताला थाने के प्रभारी अभिजीत मंडल को सियालदह की अदालत में पेश किया और 17 सितंबर तक उनकी हिरासत मांगी। संघीय एजेंसी ने दोनों को शनिवार रात को सबूत नष्ट करने के अपराध में मिलीभगत के आरोप में गिरफ्तार किया था। सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने 31 वर्षीय महिला चिकित्सक से कथित दुष्कर्म और हत्या में दोनों आरोपियों की संलिप्तता को लेकर एक बड़ी साजिश का आरोप लगाया। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि जिस दिन डॉक्टर का शव मिला, उस दिन दोनों लगातार फोन पर एक-दूसरे के संपर्क में थे। दोनों पर सबूतों से छेड़छाड़ और प्राथमिकी (एफ.आई.आर.) दर्ज करने में देरी का आरोप है। दोनों को अदालत में ले जाते समय प्रदर्शनकारियों ने न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। सुबह स्थानीय लोग सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स के बाहर तख्तियां और पोस्टर लेकर एकत्र हुए और महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए।

विज ने मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश किया

अंबाला, 15 सितंबर। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने रविवार को कहा कि लोगों की मांग और अपनी वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री पद पर दावा पेश करेंगे।

भाजपा यह चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ने का ऐलान कर चुकी है, यानी वही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा हैं।

विज ने कहा कि प्रदेश भर से लोग उनसे कहते हैं कि "आप सीनियर मोस्ट हो, आप मुख्यमंत्री क्यों नहीं बने ?"

पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों की मांग और वरिष्ठता के आधार पर वह मुख्यमंत्री बनने का दावा

- **वरिष्ठता के आधार पर विज ने यह दावा किया।**

पेश करेंगे, पार्टी बनाती है या नहीं।

वे अंबाला छावनी में विधानसभा चुनावों के लिए अपना रिपोर्ट कार्ड मीडिया से साझा कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि अनिल विज छह बार अंबाला छावनी से विधायक चुने गए हैं।

उल्लेखनीय है कि मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह अचानक नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने से वह 'नाराज' भी हुए थे और नई सरकार के मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए थे। हालांकि बाद में उन्होंने खुद को पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता बताया था और पार्टी के लिए कार्य करते रहने का दावा किया था।

इंज़ीनियर राशिद ने कश्मीर चुनाव में जमात से हाथ मिलाया

- **एआईपी के एक बयान में कहा गया है कि इंजीनियर राशिद और जेईआई सदस्य गुलाम कादिर वानी के नेतृत्व में एआईपी प्रतिनिधिमंडल के बीच यहां एक संयुक्त बैठक हुई।**

श्रीनगर, 15 सितंबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में इंजीनियर रशीद के नाम से मशहूर अब्दुल राशिद शेख के नेतृत्व वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) रविवार को कश्मीर घाटी में गठबंधन में शामिल हो गई है। जेईआई ने पूर्व सदस्यों को अपने उम्मीदवार के रूप में चुनाव में मैदान में उतारा है।

एआईपी के एक बयान में कहा गया है कि इंजीनियर राशिद और जेईआई सदस्य गुलाम कादिर वानी के नेतृत्व में एआईपी प्रतिनिधिमंडल के बीच यहां एक संयुक्त बैठक हुई, जिसमें गठबंधन बनाने का निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान इस बात पर सहमति बनी कि एआईपी कुलगाम और पुलवामा में जेईआई समर्थित उम्मीदवारों का समर्थन करेगी और जेईआई पूरे कश्मीर में एआईपी उम्मीदवारों को अपना समर्थन देगी।

उन क्षेत्रों में जहां एआईपी और जेईआई दोनों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं, गठबंधन 'दोस्ताना मुकाबले' के लिए सहमत हो गया है, खासकर लंगेट, देवसर और ज़ैनापोरा जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में। बयान में कहा गया है कि अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावों के लिए एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाया जाएगा।

दोनों पक्षों ने कश्मीर मुद्दे को हल करने और क्षेत्र में स्थायी शांति को बढ़ावा देने में एकता के महत्व को रेखांकित किया।

गहलोत राज में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निदेशक आर.सी. शर्मा पर ब्लैक लिस्ट कंपनी को टेंडर देने का आरोप लगाया। वहीं जॉइंट डायरेक्टर प्रद्युमन सिंह और जॉइंट डायरेक्टर रणवीर सिंह पर पत्नी के खाते में रिश्वत लेने के आरोप भी लगाए।

किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि जिस लेटरल एंट्री का विपक्ष ने विरोध किया था, उसी तरह की लेटरल एंट्री डी.ओ.आई.टी. के अधिकारियों ने पिछले शासनकाल में की थी।

विभाग में बिना किसी सरकारी एजेंसी के ही लोगों को सीधे भर्ती कर लिया गया था।

किरोड़ी ने आरोप लगाया कि प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट फॉर सोशल मीडिया डवलपमेंट एक्टिविटी के तहत करोड़ों रुपए की लूट की गई। इस प्रोजेक्ट के तहत अगर मैनेजमेंट यूनिट का कोई व्यक्ति जांच के लिए राजस्थान में किसी भी शहर में गया तो उसे डीओआईटी की ओर से 2 लाख 61 हजार 400 रुपए का भुगतान किया गया। वहीं राजस्थान से बाहर जाने पर 4 लाख 95 हजार 666 रुपए का भुगतान किया गया। उन्होंने कहा- इतना टीए-डीए तो मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को भी नहीं मिलता है।

इस्तीफा मंजूर नहीं होने पर तीन निर्दलीय विधायक धरने पर बैठे

विधायकों ने हिमाचल विधानसभा स्पीकर को कोर्ट में जाने की धमकी दी

- **तीनों निर्दलीय विधायक भाजपा में शामिल हो चुके हैं पर उन्होंने भाजपा में जाने के पहले ही विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था।**
- **विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों को नोटिस दिया है कि अभी 15 महीने का कार्यकाल ही हुआ है फिर इस्तीफा क्यों दे रहे हैं।**

नई दिल्ली, 15 सितंबर। हिमाचल प्रदेश में अब विधानसभा के बाहर तीन निर्दलीय विधायक अपना इस्तीफा मंजूर न होने पर धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने विधानसभा स्पीकर पर कांग्रेस कार्यकर्ता की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया है। वे कोर्ट में जाने की धमकी भी दे रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक उठापटक थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के 6 बागी विधायकों के अयोग्य घोषित होने के बाद अब निर्दलीय विधायक नालागढ़ के, के.एल. ठाकुर, हमीरपुर के आशीष कुमार और देहरा के होशियार सिंह धरने पर बैठ गए हैं। इन तीनों विधायकों ने अपनी विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था लेकिन मंजूर नहीं हुआ।

धरना दे रहे तीनों विधायक भारतीय जनता पार्टी में शामिल भी चुके हैं। भाजपा में शामिल होने से एक दिन पहले 22 मार्च को उन्होंने अपने-अपने इस्तीफे दे दिए थे लेकिन विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने अभी तक उनके इस्तीफे मंजूर नहीं किए हैं, उल्टा विधायकों को नोटिस देकर जवाब मांगा है कि अभी सिर्फ 15 महीने का ही कार्यकाल हुआ है, फिर इस्तीफा क्यों?

शिमला में विधानसभा के बाहर धरने पर बैठे विधायकों का आरोप है कि हमने अपनी इच्छा से विधानसभा से इस्तीफा 22 मार्च को दे दिया था। अभी तक स्पीकर ने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है, इसलिए धरने पर बैठे हैं। उन्होंने स्पीकर पर आरोप लगाया कि वे उनसे कांग्रेस कार्यकर्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं न कि स्पीकर की तरह। उन्होंने कहा कि स्पीकर अगर इस्तीफा मंजूर नहीं करते हैं तो वे उनके खिलाफ कोर्ट में जाएंगे।

बहरहाल हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के 6 बागी विधायकों के अयोग्य घोषित होने और तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे को लेकर बीजेपी उत्साहित है।

अरविन्द ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिल्ली सीएम के इस ऐलान पर प्रतिक्रिया भी आनी शुरू हो गई है। भाजपा ने कहा है कि ये उनका "पी.आर. स्टंट है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि, अगर इस्तीफा देना ही था तो तब देते जब आप जेल गए। अब स्वांग रच रहे हैं। पूरा प्लान ये है कि किसी प्रकार से घर के किसी सदस्य, यानी, सुनीता केजरीवाल को सीएम बनाना है।

इसलिए इस्तीफे के लिए आगे के दो दिन और लिए गए। दो दिन बाद ऐसे व्यक्ति सीएम का बनाया जाएगा जो अरविंद केजरीवाल चलाएंगे। पर उसकी जिम्मेदारी कुछ नहीं होगी।

प्रयागराज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में यमुना 86 सेंटीमीटर बढ़ गयी हैं। शनिवार की दोपहर 12 बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.30 दर्ज किया गया था, छतनाग में 81.73 मीटर और नैनी में यमुना 82.85 जलस्तर रिकार्ड किया गया था।

ए.डी.एम. वित्त एवं राजस्व विनय कुमार सिंह ने बताया कि 88 बाढ़ चौकियों को सक्रिय कर संबंधित कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया है। एन.डी.आर.एफ. और एस.डी.आर.एफ. की टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में गश्त कर रही हैं।

दोनो नदियों का जल स्तर बढ़ ने के बाद अब बांधों की चौकसी बढ़ा दी गई है।

चीन में काम कर रही अमेरिकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में ले जा रहे हैं।

सन् 2023 में, सर्वे की गई कम्पनियों में से 25 प्रतिशत कंपनियों ने देश की धीमी हो रही ग्रोथ से चिंतित होकर चीन में अपने निवेश घटा दिए। लेकिन, यू.एस. की आधी से कुछ अधिक कंपनियाँ गत वर्ष के मुकाबले आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रही हैं। केवल 37 प्रतिशत कंपनियों को उम्मीद है कि अगले तीन से पांच वर्षों में चीन में ग्रोथ, ग्लोबल ग्रोथ से आगे निकल जाएगी।

अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट से पहले चीन में यूरोपियन यूनियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में भी इस बात पर जोर दिया गया था कि चीन में बिज़नेस करने से सम्बंधित जोखिम बढ़ते ही जा रहे हैं। रिपोर्ट में सुधार के अपूर्ण वादों तथा बिजनैस के माहौल के बढ़ते राजनैतिककरण की ओर संकेत किया गया था तथा कहा गया था कि कुछ यूरोयिन कम्पनियों के लिए तो जोखिम, मुनाफे से कहीं ज्यादा हो गया है।

यूरोपियन चैम्बर के अध्यक्ष जेन्स एस्केलुंड ने एक झटका देने वाले एक सम्भावित बिन्दु पर चिन्ता जताई थी तथा चीन सरकार से कहा था कि वह इन मुद्दों का समाधान करे ताकि निवेशकों में विश्वास की वापसी हो सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि चीन निवेश के लिहाज से कम आकर्षक देश होता जा रहा है तथा उन्होंने आर्थिक ग्रोथ को प्राथमिकता देने तथा बिजनेस-वातावरण को बेहतर बनाने के लिए सुधारों पर जोर देने की जरूरत बताई थी।

चीन के साथ व्यवसाय करने की स्थितियों की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, अमेरिकन फर्मों के चीन से बाहर जाने के बहुत से कारण हैं। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड-वॉर तथा दोनों देशों के बीच बढ़ रहे राजनैतिक तनाव के कारण, अमेरिकन कम्पनियों का चीन में काम करना और भी ज्यादा जोखिमपूर्ण हो गया है।

दोनों देशों बीच चल रहे व्यापारिक विवादों के दौरान लगाये गये भारी-भरकम टैक्सों के फलस्वरूप, बिजनेस करने की लागत/खर्च बढ़ गए हैं, जिनके कारण कम्पनियाँ अन्य सस्ते वैकल्पिक देशों की तलाश में हैं।

कम्पनियाँ एकल बाजार पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता को कम करने के रास्ते ढूंढ़ रही हैं तथा इसलिए अपनी सप्लाई-चेन को विभिन्न रूप देकर, वियतनाम, भारत तथा मैक्सिको जैसे देशों का रुख कर रही हैं।

इसके अतिरिक्त, कोविड-19 महामारी ने ग्लोबल सप्लाई चेनों की कमजोरियाँ उजागर कर दी थी। इसलिए कम्पनियाँ नए समुद्री तट तलाश करने, अपने देश के ज्यादा नजदीक उत्पादन करने तथा ज्यादा स्थिरता वाले क्षेत्रों में जाने पर विचार करने लगीं हैं।

कुल मिलाकर, नए नियम-कानूनों, विदेशी व्यवसायों की ज्यादा संवीक्षा तथा मुख्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता पर जोर दिए जाने से, अमेरिकन फर्मों का चीन में व्यवसाय करना तथा मुनाफा कमाना पहले की अपेक्षा ज्यादा मुश्किल हो गया है।

सेना का भगोड़ा गिरफ्तार, 12.5 किलो हेरोइन पकड़ी गयी

- **भगोड़े अमृतपाल सिंह का अन्तर्राष्ट्रीय तस्करी रैकट से संबंध है तथा वह दुबई से काम कर रहा था।**
- **भगोड़े सैनिक का एक साथी, सरताज 33 किलो हेरोइन के साथ जम्मू बस स्टैण्ड पर पकड़ा गया था।**

जालंधर, 15 सितंबर। सीमा पार के मादक पदार्थों के नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए काउन्टर इंटेलिजेंस जालंधर ने पाकिस्तान से जुड़े हेरोइन तस्करी रैकेट के एक प्रमुख खिलाड़ी, अमृतपाल सिंह उर्फ फौजी को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 12.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है।

यह जानकारी रविवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गौरतलब है कि गिरफ्तार आरोपी अमृतपाल सिंह फौजी, जो तरनतारन के कासेल गांव का निवासी है, अगस्त 2024 से फरार था, जब उसके साथी सरताज को जम्मू में 33 किलोग्राम हेरोइन के साथ जम्मू बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया था।

गौरव यादव ने कहा, इस बात की पुष्टि हुई है कि गिरोह के अंतरराष्ट्रीय संबंध हैं, क्योंकि इसका नेतृत्व अमृत पाल सिंह बाथ नामक एक कुख्यात भगोड़ा कर रहा है, जो तरनतारन के मियांपुर गांव का निवासी है और वर्तमान में दुबई से काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि वह एक कुख्यात गैंगस्टर/तस्कर है, जिसके खिलाफ पंजाब के विभिन्न पुलिस थानों में 15-20 मामले दर्ज हैं, जिनमें दो हत्या के मामले भी शामिल हैं।

डीजीपी ने कहा कि विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, काउन्टर इंटेलिजेंस जालंधर की टीमों ने जालंधर के कंगनीवाल गांव की नहर के किनारे एक विशेष नाका लगाया और 200 ग्राम हेरोइन बरामद करने के बाद अमृतपाल फौजी को गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने कहा कि आगे की जांच में तरनतारन से जोधपुर गांव तक लिंक रोड पर एक निश्चित स्थान से 12.4 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई, जैसा कि आरोपी ने बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस टीमों ने प्लेटिना मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है, जिस पर आरोपी अमृतपाल फौजी यात्रा कर रहा था।

अधिक जानकारी साझा करते हुए, एआईजी सीआई जालंधर नवजोत सिंह महल ने कहा कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने और उसके सहयोगी ने पिछले महीने अखनूर सेक्टर से 50 किलोग्राम हेरोइन की खेप खरीदी थी, जिसमें से 33 किलोग्राम हेरोइन उसके साथी सरताज के पास थी, जिसे जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने कहा कि अपने साथी की गिरफ्तारी के बाद, अमृतपाल फौजी ने शेष हेरोइन को एक सुनसान स्थान पर छिपा दिया। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908